CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-312

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 14 फरवरी 2024

आज का विचार

हम दबाव से अनुशासन कभी नहीं सीख सकते।

-महात्मा गाँधी

बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

अब ओटीपी से मिल जाएगा कैश

एटीएम जाने की कोई जरूरत नहीं

सिटी चीफ

नई दिल्ली। यूपीआई की सफलता ने कैश की जरूरत को बहुत कम कर दिया है. हालांकि, फिलहाल अगर किसी को कैश चाहिए होता है तो उन्हें एटीएम की ही तलाश रहती है. बैंकों की ब्रांच में बहुत कम लोग कैश के लिए जाते हैं. मगर, अब एटीएम का भी विकल्प वर्चुअल एटीएम के रूप में आ गया है. इसके बाद आपको एटीएम की तलाश में भी नहीं निकलना होगा. आप सिर्फ एक ओटीपी की मदद से किसी भी नजदीकी दुकान से पैसा निकाल सकेंगे. आपको सिर्फ स्मार्टफोन , मोबाइल बैंकिंग एप और इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत पड़ेगी. आइए इन वर्चुअल एटीएम के बारे में सब कुछ जान लेते हैं

एटीएम, कार्ड या पिन की नहीं होगी आवश्यकता: एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिनटेक कंपनी पेमार्ट इंडिया इस वर्चुअल एटीएम के आईडिया के साथ आई है. चंडीगढ़ स्थित कंपनी इसे कार्डलेस और हार्डवेयर लेस कैश विथड्राल सर्विस कहती है. वर्चुअल एटीएम के लिए आपको किसी एटीएम जाने की जरूरत नहीं और न ही कार्ड रखने एवं पिन की आवश्यकता पड़ेगी।

छोटे अमाउंट को निकालने में कारगर साबित होंगे: कंपनी के फाउंडर एवं सीईओ अमित नारंग ने वर्चुअल एटीएम के इस्तेमाल के बारे जानकारी देते हुए बताया कि वर्चुअल एटीएम छोटे अमाउंट को निकालने में कारगर साबित होंगे. आपको अपने मोबाइल बैंकिंग एप से पैसा निकालने की एक रिक्वेस्ट देनी होगी. इसके लिए आपका फोन नंबर बैंक से जुड़ा होना चाहिए. इस ओटीपी को आपको पेमार्ट के साथ रजिस्टर दुकान पर दिखाना होगा. ओटीपी को चेक करके दुकानदार आपको कैश दे देगा।

कस्टमर से कोई चार्ज भी नहीं लिया जाएगा: आपके मोबाइल बैंकिंग एप पर पेमार्ट के साथ जुड़े दुकानदारों की लिस्ट दिखाई देगी. इसके साथ ही उनके नाम, लोकेशन और फोन नंबर भी दिखाई देंगे. पैसा निकलने के लिए डेबिट कार्ड, एटीएम मशीन या यूपीआई की कोई जरूरत नहीं होगी. इस सेवा को इस्तेमाल करने के लिए कस्टमर से कोई चार्ज भी नहीं लिया जाएगा. फिलहाल पैसा निकालने की कोई लिमिट भी नहीं है. यह सर्विस दूरदराज के इलाकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। इस सेवा को आईडीबीआई बैंक के साथ 6 महीने तक सफलता से चलाया गया है. फिनटेक फर्म ने इंडियन बैंक, जम्मू एवं कश्मीर बैंक और करुर वैश्य बैंक से भी टाई अप किया है. फिलहाल यह सेवा चंडीगढ़, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई में उपलब्ध है. मार्च से इसे पूरे देश में लागू करने की तैयारी है. साथ ही सीएससी ईगवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ वर्चुअल एटीएम को 5 लाख जगहों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

महुआ मोइत्रा ने नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर कसा तंज, बोलीं- इन्हें कभी भ्रष्ट कहती थी पार्टी

सिटी चीफ

नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के भाजपा में आने पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा जिस तरह से नेताओं को जॉइन करा रही है, जिन्हें कभी भ्रष्ट कहती थी। उस तरह से एक दिन वह चाहेगी कि मैं भी उनकी पार्टी का हिस्सा बन जाऊं। यह इनका गिरता हुआ स्तर है। महुआ मोइत्रा को बीते साल कैश के बदले संसद में सवाल पूछे जाने के आरोपों पर सांसदी गंवानी पड़ी थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने एक कारोबारी से पैसों के एवज में संसद में गौतम अडानी से जुड़े सवाल पूछे थे। यही नहीं संसद की अपनी लॉगइन आईडी भी उन्होंने उस कारोबारी के स्टाफ से शेयर की थी और उसी के यहां से सवाल अपलोड किए गए थे। महुआ मोइत्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब रामलला की कृपा से 2024 के चुनाव में 400 सीटें आ ही रही हैं तो फिर भाजपा हर नेता को अपने ही पाले में लाने के लिए इतनी बेचैन क्यों है। उन्हें भी वह ला रही है, जिनको किसी दौर में उसने करप्ट घोषित किया था। इसी तरह चलता रहा तो वह जल्दी ही मुझे भी अपनी पार्टी में लेना चाहेंगे।' बता दें कि महुआ मोइत्रा को भले ही सांसदी गंवानी पड़ी है, लेकिन टीएमसी की मुखिया ममता बनर्जी का उन पर भरोसा कम नहीं हुआ है।

अहलन मोदी...अबुधाबी में बही गंगा-यमुना

आज यूएई के हिंदुओं के लिए खास दिन

मुस्लिम देश में भव्य मंदिर

UAE में पहले हिंदू मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा शुरू, शाम को PM मोदी उद्घाटन करेंगे

राष्ट्रपति अल नाह्यान ने कहा था- जहां लकीर खीचेंगे वो जगह दूंगा

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के **UAE** दौरे पर हैं। वो आज शाम को अबु धाबी में 27 एकड़ में फैले पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। सुबह से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो गया है। मंदिर को बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था यानी **BAPS** ने बनाया है। इसकी लागत 700 करोड़ रुपए आई है। **PM** मोदी 13 जनवरी को दुबई पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया। 65 हजार भारतीयों से कहा- राष्ट्रपति नाहयान ने मंदिर के प्रस्ताव को बगैर एक पल भी गंवाए हां कहा दिया। उन्होंने मुझसे यह तक कह दिया था कि जिस जमीन पर आप लकीर खींच देंगे, मैं वो आपको दे दूंगा।*

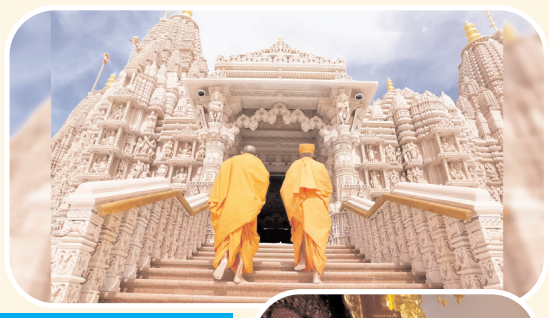

यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मोदी को गले लगाया

सिटी चीफ।

एजेंसी अबुधाबी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वे बुधवार को आबू धाबी में बने पहले हिन्दू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर का निर्माण कराने वाली संस्था बीएपीएस ने ही इसका भी निर्माण करवाया है। इस मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी का मंगलवार को यूएई में स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ। यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मोदी को गले लगाया। इसके बाद प्रधानमंत्री अहलन मोदी (हेलो मोदी) कार्यक्रम में पहुंचे और यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय के करीब 65 हजार लोगों को संबोधित किया। कहा- आपने नया इतिहास रच दिया है, यहां हर धड़कन कह रही है कि भारत-यूएई दोस्ती जिंदाबाद।

इस मौके पर मोदी ने अबुधाबी में बने पहले हिंदू मंदिर के लिए जमीन मिलने से जुड़ा वाकया भी बताया। कहा- 2015 में आप सबकी ओर से मैंने यहां एक मंदिर का प्रस्ताव रखा तो उन्होंने एक पल भी गंवाए बिना हां कह दिया। उन्होंने यहां तक कह था कि जिस जमीन पर आप लकीर खींच देंगे, मैं वह आपको दे दूंगा। और देखिए, अब अबुधाबी में भव्य दिव्य मंदिर के लोकार्पण का दिन आ गया है।

25000 से ज्यादा पत्थरों से बना

दुबई-अबू धाबी शेख जायेद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोतम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर पर उत्कृष्ट संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों की ओर से 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। मंदिर के लिए उत्तरी राजस्थान से अच्छी-खासी संख्या में गुलाबी बलुआ पत्थर अबू धाबी लाया गया है। मंदिर स्थल पर खरीद और सामान की देखरेख करने वाले विशाल ब्रह्मभट्ट ने बताया कि मंदिर के निर्माण के लिए 700 से अधिक कंटेनर में दो लाख घन फुट से अधिक पवित्र पत्थर लाया गया है।

बीएपीएस के 3,850 से अधिक केंद्र

बीएपीएस के दुनियाभर में 3,850 से अधिक केंद्रों वाला संगठन है। यह अपने वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से समाज की सेवा करता है। बीएपीएस को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ संबद्धता भी प्राप्त है।

यूएई नेतृत्व को धन्यवाद

2015 में पीएम मोदी की खाड़ी देश की दो दिवसीय यात्रा के दौरान, यूएई ने अबू धाबी में एक मंदिर के निर्माण के लिए जमीन आवंटित की। यह यात्रा काफी कूटनीतिक महत्व रखती है, क्योंकि मोदी इंदिरा गांधी के बाद 34 वर्षों में इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खाड़ी देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। पीएम मोदी ने मंदिर निर्माण के फैसले के लिए 125 करोड़ भारतीयों की ओर से यूएई नेतृत्व को धन्यवाद दिया और इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया।

मंदिर के कोने-कोने में भारत का अंश

मंदिर के लिए गुलाबी बलुआ पत्थर भारत से लाया गया है। पत्थर पर नक्काशी वहां के मूर्तिकारों ने की है और इसे यहां के श्रमिकों ने लगाया है। इसके बाद कलाकारों ने यहां डिजाइन को अंतिम रूप दिया है। जिन लकड़ी के बक्सों और कंटेनर में पत्थरों को अबू धाबी लाया गया है, उनका मंदिर में फर्नीचर बनाने में इस्तेमाल किया गया है। बीएपीएस के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंध के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने कहा, मंदिर में प्रार्थना सभागार, कैफेटेरिया, सामुदायिक केंद्र आदि में रखा गया फर्नीचर पत्थरों को लाने में इस्तेमाल किए बक्सों और कंटेनर की लकड़ी से बनाया गया है। मंदिर के कोने-कोने में भारत का अंश है।

आध्यात्मिकता के सिद्धांतों पर आधारित बीएपीएस

बीएपीएस व्यावहारिक आध्यात्मिकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह आज आज दुनिया में प्रचलित आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करता है। इसकी ताकत इसके उद्देश्यों और इरादों की पवित्रता में निहित है।

एक हफ्ते से लगा है कर्फ्यू, अब तक 6 मौतें, दर्जनों गिरफ्तारियां

हल्द्वानी । उत्तराखंड के हल्द्वानी में हिंसा को 6 दिन बीत चुके हैं. लेकिन अब भी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है. 8 फरवरी को हुई हिंसा के दौरान गोली लगने से घायल एक और शख्स की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक का नाम मोहम्मद इसरार (50) था, जिसका सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज चल रहा था. इसरार के अलावा इस हिंसा में 5 और लोगों की मौत हुई है. हल्द्वानी के बनभूलपुरा में पिछले एक हफ्ते से कर्फ्यू लगा हुआ है. अब भी पुलिस यहां घर-घर तलाशी ले रही है। बनभूलपुरा में जिस जमीन से अतिक्रमण हटाया गया था, वहां हिंसा के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक पुलिस चौकी खोलने का ऐलान किया था. उनके ऐलान के 24 घंटे के अंदर ही वहां चौकी खोली जा चुकी है. इस चौकी का उद्घाटन दो महिला पुलिसकर्मियों ने किया है. इसमें एक हेड कांस्टेबल, चार कांस्टेबल और कुछ प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के जवान तैनात किए गए हैं. बता दें कि हिंसा की

शुरुआत अतिक्रमण वाली जगह से मदरसा हटाने के बाद हुई थी। पुलिस के मुताबिक हिंसा में घायल हुए इसरार की इलाज के दौरान मौत के बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. इसरार उन 3 लोगों में शामिल था, जो उग्र भीड़ और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में गंभीर रूप से घायल हो गए थे. एसएसपी ने बताया कि इसरार की मौत के बाद संघर्ष में मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। हल्द्वानी हिंसा के मामले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के मुताबिक नई गिरफ्तारियों के बाद हिंसा के सिलसिले में पकड़े गए लोगों की कुल संख्या 36 हो गई है. गिरफ्तार किए गए लोगों में शोएब, भोला उर्फ सोहेल, समीर पाशा, जुनैद, साहिल अंसारी और शाहनवाज शामिल हैं।

मुख्य आरोपी से की जाएगी रिकवरी

हल्द्वानी में बनभूलपुरा इलाके में 8 फरवरी को अतिक्रमण हटाने गई प्रशासन और पुलिस की टीम पर पथराव और आगजनी के दौरान नगर निगम और सरकारी संपत्ति का भारी नुकसान हुआ था. इसका आकलन करने के बाद नगर निगम ने मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक को नुकसान की भरपाई के लिए वसूली नोटिस जारी किया था. नगर निगम ने आरोपी को 15 फरवरी तक भरपाई की रकम 2.45 करोड़ रुपए अदा करने को कहा है. डेडलाइन के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

जबलपुर में नर्मदा जयंती के लिए विशेष टीम बनी, ट्रांसफार्मर पर होगी नजर

मां नर्मदा के घाटों पर होने वाली विशेष आयोजन पर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहर के समस्त संभागों की मेंटेनेंस के लिए विशेष टीम का गठन किया है। सभी संभागों में जहां स्टाफ की चिन्हित स्थानों पर तैनाती की जा रही है, वहीं रामपुर चौराहे से गौरीघाट एवं तिलवारा घाट के प्रत्येक ट्रांसफार्मर पर विशेष दस्तों को तैनात किया जा रहा है, ताकि किसी भी आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए टीमों को तैयार किया जा रहा है। साथ ही गौरीघाट एवं तिलवारा घाट पर कार्यपालन, सहायक अभियंता स्तर के अधिकारियों की तैनाती रहेगी।सजावट के लिए तार जोड़कर कार्य किए जाते हैं विदित हो कि विद्युत प्रदाय संहिता अनुसार विद्युत कंपनियों की जबावदारी किसी भी मीटर कनेक्शन के आउटगोइंग कटआउट तक की होती है है परंतु गौरीघाट, उमाघाट पर लगाये गए नगर निगम के स्ट्रीट लाइट मीटर के बाद स्थानीय समितियों अथवा श्रृद्धालुओं द्वारा सजावट के लिए तार जोड़कर कार्य किए जाते हैं। 10 कर्मचारियों को पिछले चार दिनों से जनहित के कार्य में संलग्न हैं अधीक्षण अभियंता (शहर) संजय अरोरा द्वारा क्षेत्र का दौरा करने पर यह पाया गया कि कई जगह ऐसे स्थानों पर कटी-फटी लाइनों एवं लूज लोड वायरिंग का इस्तेमाल किया गया है, जिसके पश्चात पूर्व क्षेत्र कंपनी की जबावदारी न होते हुए भी आम जनमानस की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, इसका आवश्यक रख-रखाव एवं सुचारू तरीके से व्यवस्थित रखने हेतु निर्देशित किया गया, जिसके पश्चात विद्युत कंपनी के 10 कर्मचारियों को पिछले चार दिनों से जनहित के कार्य में संलग्न हैं। इसके अतिरिक्त गौरीघाट, तिलवारा घाट पर अनवरत विद्युत प्रदाय सुनिश्चित करने हेतु चेंज ओव्हर प्वाइंट बनाए गए, जिसमें दो अलग-अलग फीडर से विद्युत सप्लाई की व्यवस्था की गई है। नर्मदा महाआरती के 12 वर्ष पूर्ण -होंगे विविध आयोजन गौरीघाट-उमाघाट तट पर नर्मदा महाआरती के 12 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। पूर्ति महोत्सव अंतर्गत विविध आयोजन होंगे।

बदमाश समझकर एसपी आफिस से मूकबधिर को ले जा रही थी गुजरात पुलिस

एसपी आफिस में मंगलवार की दोपहर अनूठा घटनाक्रम हुआ। गुजरात की पुलिस ने फरारी बदमाश बताकर एक मूकबधिर को दबोचा और जबरन गाड़ी में बैठाने लगी, इसी दौरान हंगामा हो गया। मामला तूल पकड़ा और वरिष्ठ अफसरों तक पहुंचा। इसके बाद छानबीन हुई तो मूकबधिर निर्दोष और कालेज का चपरासी निकला। गुजरात की पुलिस ने गलती मानते हुए उक्त युवक को छोड़ दिया। मंगलवार को एसपी आफिस में जनसुनवाई चल रही थी, इसी दौरान फोर्च्यूनर गाड़ी से गुजरात पुलिस की एक टीम आई। इस टीम को बाइक पर बैठा एक युवक दिखा, जिसके हाथ में झोला था। जींस, टीशर्ट, जैकेट पहने गुजरात पुलिस की टीम ने उक्त युवक को पकड़ा और जबरन गाड़ी में बैठाने लगे।विरोध कर रहा युवक मूकबधिर था, जो कुछ सुन व बोल नहीं पा रहा था। मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों के कैमरे देखकर गुजरात पुलिस धीमी पड़ गई। इसके बाद युवक के बारे में जानकारी लेना शुरू हुआ तो पता चला, कि वह कैलारस तहसील के निगावनी गांव का रहने वाला मायाराम पुत्र सियाराम रावत है, जो आईटीआइ कालेज में चपरासी है। मायाराम रावत का चचेरा भाई एसपी आफिस में शस्त्र लाइसेंस के संबंध में आया था और मायाराम उसी के साथ था। बाद में यह मामला एएसपी तक पहुंचा। गुजरात के अहमदाबाद से आई पुलिस ने मायाराम के आधार कार्ड, वोटर कार्ड देखे फिर आईटीआइ कालेज तक गई। वहां गुजरात पुलिस ने बताया, कि वह दिमनी क्षेत्र के किसी रविंद्र सिंह गुर्जर को पकड़ने आए थे, जिसने अहमदाबाद में किसी व्यवसायी से टैरर टैक्स मांगा था।

जबलपुर के गौरीघाट समेत तिलवाराघाट, भेड़ाघाट में बदली रहेगी वाहन व्यवस्था

नर्मदा प्राकोटत्सव पर गौरीघाट समेत भेड़ाघाट और तिलवाराघाट की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यहां पर किसी भी प्रकार के लोडिंग या भारी वाहन जहां रामपुर से आगे नहीं जा पाएंगे, वहीं बड़े यात्री वाहनों को भी यहां से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इतना ही नहीं कई सड़कों और गलियों को नो वीकल जोन भी बना दिया गया है। जिस कारण वहां से प्रवेश नहीं मिलेगा।गौरीघाट के लिए यह रहेगा प्लान नर्मदा प्राकोटत्सव पर सभी प्रकार के दुपहिया और चार पहिया वाहन अवधपुरी मोड़ से आयुर्वेद संस्थान पार्किंग परिसर के गेट नम्बर एक से प्रवेश करेंगें। वहीं बिलहरी तिलहरी मण्डला रोड तरफ से आने वाले वाहन तिलहरी ग्राम, कालीधाम, भिटौली कुण्ड होते हुये गीताधाम के सामने ग्राउन्ड में पार्क होगें। ग्वारीघाट से शहर की ओर वापस लौटने वाले वाहन आयुर्वेद संस्थान पार्किंग के गेट नम्बर दो से निकलकर गीत
।धाम, मरघटाई मोड, भिटौली कुण्ड, कालीधाम, छिवला ग्राम, तिलहरी ग्राम, से होते हुए तिलहरी क्रासिंग, बिलहरी होते हुए पेन्टीनाका पहुचेगें।

इंदौर में अब ब्रिथ एनालाइजर जांच रिपोर्ट के बाद बस चला सकेंगे ड्राइवर

सिटी चीफ इन्दौर

स्कूल बस को टक्कर मारने की घटना के बाद पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। स्कूल और चार्टर्ड बस चालकों के लिए ब्रिथ एनालाइजर रिपोर्ट अनिवार्य कर दी है। मंगलवार को डीसीपी ने प्रबंधन की बैठक कर 15 दिन की मोहलत दी है।सोमवार सुबह निजी स्कूल की बस को चार्टर्ड बस ने टक्कर मार दी थी। मंगलवार को जोन-1 के डीसीपी आदित्य मिश्रा ने स्कूल बस और चार्टर्ड बस प्रबंधन को बुलाकर सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन का पालन करने की हिदायत दी। डीसीपी ने कहा कि प्रबंधन सुनिश्चित करे कि बस चलाने के पहले प्रत्येक चालक की ब्रिथ एनालाइजर से जांच होगी। निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद ही चालक बस चला सकेगा। प्रबंधन को प्रत्येक चालक का रिकार्ड भी संधारित करना होगा। पुलिस भी औचक निरीक्षण करने आएगी।

राजेंद्र नगर से शुरू होगी जांच डीसीपी के मुताबिक पहले चरण में राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले स्कूल-कालेज के चालकों की जांच की जाएगी। इसके बाद अन्य स्कूलों में भी इसकी शुरुआत होगी। डीसीपी ने चार्टर्ड बस के प्रबंधन को भी

जांच के लिए कहा है। उन्होंने टक्कर मारने वाली बस के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मांगे तो बताया कैमरे बंद थे। प्रबंधन ने लागशीट प्रस्तुत की जिसमें करीब 32 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार बताई। सफाई देते हुए कहा कि चालक ने दोपहिया वाहन चालक को बचाने में स्कूल बस को टक्कर मार दी। स्कूल बस बीच रोड पर खड़ी थी। इसके बाद डीसीपी ने स्कूल बस प्रबंधन से कहा कि चालकों को बस सुरक्षित खड़ी करने व रोकने का प्रशिक्षण दें। प्रत्येक बस स्टाप का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि बस रास्ते से दूर खड़ी होगी। शुरुआत में पुलिसकर्मी इसके लिए मदद करने के लिए उपलब्ध करेंगे। नशे में बस चालक ने मारी थी टक्कर डीसीपी के मुताबिक कुछ दिनों पूर्व जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में निजी स्कूल की बस ने रेस्त्रां संचालक की जान ले ली थी। बस चालक नशे की अवस्था में था। बस में बच्चे भी बैठे थे। ब्रिथ एनालाइजर जांच होने पर चालक पकड़ा जाता।

इंदौर के दिव्य शक्तिपीठ में विराजित हैं महासरस्वती, जिनके आठ हाथों में शस्त्र और गोद में वीणा

घंटाशूलहलानि शङ्खमुसले चक्रं धनुः सायकं हस्ताब्जैर्दधतीं घनान्तविलसच्छीतांशुतुल्यप्रभाम् । गौरीदेहसमुद्भवां त्रिजगतामाधारभूतां महा- पूर्वामत्र सरस्वतीमनुभजे शुम्भादिदैत्यार्दिनीम्।' दुर्गा सप्तशती का यह श्लोक देवी सरस्वती के उस दिव्य रूप का वर्णन करता है, जिसकी उत्पत्ती शुंभ-निशुंभ दैत्य के मर्दन के लिए हुई थी। देवी सरस्वती के इस रूप को महासरस्वती नाम दिया गया। श्लोक के अनुरूप देवी सरस्वती अष्टभुजा वाली हैं जिनके हाथों में केवल वीणा ही नहीं बल्कि आयुध भी हैं। देवी सरस्वती के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन शहर के दिव्य शक्तिपीठ में होते हैं। यूं तो शहर में देवी सरस्वती के कई मंदिर हैं, लेकिन शहर का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां देवी सरस्वती के चतुर्भुज रूप के नहीं बल्कि अष्टभुज रूप के दर्शन होते हैं।सफेद संगमरमर से बनी देवी महासरस्वती की यह मूर्ति इस मंदिर में वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी। इस मां सरस्वती हंस पर बैठी हुई हैं और हंस की चोंच में जाप करने वाली माला है। देवी सरस्वती की यह मूर्ति आठ भुजाओं वाली है। सामान्य तौर पर देवी सरस्वती के दो हाथों में वीणा, एक हाथ में पुस्तक और एक में माला नजर आती है, लेकिन यहां स्थापित मूर्ति के प्रत्येक हाथ में एक-एक आयुध है। देवी की गोद में वीणा रखी है और हाथों में शंख, चक्र, गदा, धनुष, बाण, शूल, छत्र और घंटी है। मंदिर में महासरस्वती के साथ महालक्ष्मी और महाकाली के विशाल विग्रह भी हैं। महालक्ष्मी सिंह वाहिनी के रूप में है और उनकी 18 भुजाएं हैं। महाकाली का विग्रह 10 भुजाओं और 10 पैरों वाला है। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. हरिओम शास्त्री बताते हैं कि देवी सरस्वती के इस स्वरूप को महासरस्वती कहा जाता है। इस रूप का वर्णन दुर्गा सप्तशती में है। दुर्गा सप्तशती के श्लोक के अनुसार शुंभ-निशुंभ दैत्यों का मर्दन करने के लिए महालक्ष्मी और महाकाली ने अपने आयुध देवी सरस्वती को दिए थे, इसलिए उन्होंने आठ हाथ प्रगट किए। वसंत पंचमी पर देवी महासरस्वती की विशेष आराधना की जाती है। यहां प्रत्येक वार के अनुरूप ग्रह की पूजा भी महाशक्ति के साथ की जाती है।

इंदौर में डेटिंग एप पर धोखा, दिव्यांग टीचर से दुष्कर्म, 30 लाख रुपये भी ऐंठे

सिटी चीफ इन्दौर

दिव्यांग शिक्षिका से डेटिंग एप पर धोखा हो गया। जिस व्यक्ति से दोस्ती की वह जालसाज निकला। सालों तक शोषण किया और 30 लाख रुपये भी ले गया। शिक्षिका ने एफआइआर दर्ज करवाई है। आरोपित की बहन और पिता को भी सह आरोपित बनाया गया है। यह भी कहा कि आरोपित दुबई भागने की फिराक में है।मामला तेजाजी नगर थाना क्षेत्र का है। 36 वर्षीय शिक्षिका रालामंडल के समीप पाश कालोनी में निवास करती है।फरवरी 2020 में उसकी सूरज मदान (मुंबई) से हुई थी। दोनों चैटिंग करते-करते मिलने लगे थे। मार्च 2020 में आरोपित ड्राइव के बहाने लेकर गया और नशीला पदार्थ पिला दिया। शिक्षिका को नशे की अवस्था में घर लेकर आया और जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बना लिए। आरोप है कि इस दौरान उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बना लिए। शिक्षिका से कहा कि वह शादी करेगा, लेकिन बाद में उसने अश्लील वीडियो जारी करने की धमकी देकर रुपये ऐंठना शुरू कर दिए। आरोपित सूरज ने 20 लाख रुपये खाते से और 10 लाख रुपये कैश वसूल कर लिए। तीन साल तक शादी न करने पर पीड़िता ने रिपोर्ट करने की धमकी दी तो उसकी बहन सोनिका परमार ने मध्यस्थता की और कहा कि वह दोनों की शादी करवा देगी। उसने भी कई दिनों तक टालने का प्रयास किया।पीड़िता परेशान होकर सूरज के पिता विजय मदान के पास पहुंची तो उसने भी बदनाम करने की धमकी दे डाली।आरोपित सूरज ने यह भी कहा कि उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। एक ही किडनी है। इस कारण पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती है। आर्य समाज मंदिर में छोड़ कर भागा आरोपित महिला के आत्महत्या और पुलिस केस की धमकी देने पर आरोपित ने शादी की तैयारियां कर ली। 7 फरवरी को आरोपित ने आर्य समाज मंदिर में शादी करना तय किया। तैयारियों के लिए पीड़िता से 20 हजार रुपये भी ले लिए।वह कनाड़िया रोड़ स्थित आर्य समाज के मंदिर में ले गया। पीड़िता से कहा कि कुछ देर में बात कर आ रहा है।आरोपित वहां से भाग गया और पीड़िता इंतजार करती रह गई। बाद में आरोपित ने धमकाया और कहा कि वह तो दुबई जा रहा है। दुबई में बैठे-बैठे हत्या करवा देगा। इसके बाद पीड़िता मंगलवार को थाने पहुंची और एफआइआर दर्ज करवाई।

54 दिन बाद भी नहीं दूर हुई ईपालिका पोर्टल में आई गड़बड़ी

सिटी चीफ इन्दौर

54 दिन बाद भी ई-पालिका पोर्टल में आई गड़बड़ी दूर नहीं हुई है। 21 दिसंबर 2023 को हुए साइबर हमले के बाद से इंदौर नगर निगम में कामकाज बंद है। निगम की आनलाइन सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। पोर्टल नहीं चलने से संपत्ति कर और अन्य कर जमा कराने के लिए निगम मुख्यालय और जोन कार्यालयों पहुंचने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। उन्हें पुराना रिकार्ड ही नहीं मिल रहा। इसके चलते निगम के राजस्व संग्रहण में भी भारी कमी देखने को मिल रही है। वित्ती वर्ष समाप्त होने में अब 50 दिन से भी कम समय बचा है। ऐसे में इंदौर नगर निगम के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।बताया जा रहा है कि ई-पालिका पोर्टल में तीन दिन पहले आंशिक सुधार नजर आया था, लेकिन यह संतोषजनक नहीं है। पोर्टल बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी आमजन को ही हो रही है। सामान्यत: फरवरी, मार्च में बकाया कर जमा कराने वालों की भीड़ निगम मुख्यालय पर नजर आती है, लेकिन इस बार स्थिति बदली हुई है। लोग कर जमा कराने पहुंच तो रहे हैं, लेकिन उन्हें शुद्ध देय राशि की जानकारी नहीं मिल पा रही।

इसके चलते वे बगैर पैसा जमा कराए ही लौट रहे हैं। निगमकर्मियों द्वारा हाथ से रसीद बनाकर दी जा रही है। इसके चलते भी लोग टैक्स जमा कराने में रुचि नहीं ले रहे। पोर्टल बंद होने से जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं। **वित्त वर्ष समाप्त होने में बचे हैं 50 से कम दिन** वित्त वर्ष समाप्त होने में 50 दिन से भी कम समय बचा है। इसके चलते निगम की चिंता बढ़ गई है। नगर निगम ने भोपाल नगर निगम की तर्ज पर अपना खुद का पोर्टल बनाने का प्रयास भी किया था, ताकि ई-पोर्टल पर निर्भरता कम हो सके, लेकिन अब तक इसकी अनुमति नहीं मिली है। जल्द ही पोर्टल चालू नहीं हुआ तो कर संग्रहण के लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। बताया जा रहा है कि ई-पोर्टल के कामकाज नहीं करने से कर संग्रहण में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आ गई है। छह हजार से ज्यादा अवैध जल कनेक्शन वैध नगर निगम की अवैध जल कनेक्शनों को वैध करने की मुहिम धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। अब तक इस अभियान के तहत छह हजार से ज्यादा अवैध कनेक्शन वैध किए जा चुके हैं। नगर निगम के खाते में इसके चलते एक करोड़ 26 लाख रुपये से ज्यादा रकम जमा हो चुकी है। अभियान 5 मार्च तक सतत चलेगा।

दो अलग-अलग राज्यों से होने तथा संस्कृति, पहनावा, खानपान बदलने पर भी निभाया प्यार

कवि और शायर यह बात गलत नहीं कहते कि प्यार की न कोई हद होती है, न ही सरहद। वैसे तो सरहद का मतलब लोग देश की सीमाओं से लगाते हैं, परंतु आज की स्टोरी में हम सरहद का मतलब दो राज्यों की सीमाओं से बताएंगे। दरअसल, व्यवहार, भाषा, संस्कृति, पहनावा, खानपान आदि की नजर से देखा जाए, तो दूसरे राज्य में रिश्ते बनाना कुछ अर्थों में विदेश में बसने जैसा ही होता है। इन्हीं भौगोलिक अंतर और परंपराओं की विविधता के बावजूद कुछ जोड़े ऐसे हैं, जिन्होंने प्रेम किया और उसे पूरे समर्पण से निभा रहे हैं।यूं तो आज वैलेंटाइन डे बीतने के साथ ही प्यार के इस सप्ताह का समापन हो जाएगा, परंतु शादी करके प्रेमियों ने अपने प्यार को हमेशा के लिए अमर कर लिया। आइए जानते हैं कैसे इंदौरियों ने इन सभी हदों से गुजरकर सरहदें पार करके अपने प्यार को शादी तक साकार किया। कैसे वर्षों के प्यार को पारिवारिक संघर्ष से निकालकर अपना बनाया। रेलवे की रफ्तार से शुरू हुई प्रेम कहानी उमा मार्टिन आंध्र प्रदेश की रहने वाली हैं और जयेश मार्टिन इंदौर के। उमा भारतीय रेलवे में टीसी हैं जबकि जयेश मैकेनिकल विभाग में कार्यरत हैं। उमा बताती हैं कि हम दोनों की पहली मुलाकात वर्ष 2004 में मुंबई में हुई थी। उसके बाद से हम दोनों में बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान कब हम दोनों इतने करीब हो गए, पता ही नहीं चला। शादी के लिए मैंने घर में बात की, तो घर में कम परिवार और गांव में विरोध ज्यादा हुआ। मैं पढ़ाई के बाद से बाहर ही रह रही थी, तो आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र की दूरी से ज्यादा दिक्कत नहीं थी। जब हमने बताया कि हम दोनों करियर में सेट हैं, तो पापा ने कहा कि तुम्हें जो सही लगे वह करो, परिवार और गांव वालों को मैं देख लूंगा। वहीं जयेश के घर में लोग शादी के लिए आसानी से मान गए और साल 2019 में हमारी शादी इंदौर कोर्ट में हुई। विपुल-निधि बहनों ने निभाया वकील का किरदार, तब जीते केस व्यवसायी विपुल गांधी गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे शुरुआत से इंदौर में ही रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी निधि गांधी मूलत: राजस्थान की रहने वाली हैं। वर्ष 1999 में निधि पढ़ाई के लिए इंदौर आ गई थीं। कक्षा 12 में दोनों कामर्स की ट्यूशन साथ में पढ़ते थे। हालांकि बैच अलग-अलग थे। इसके बाद बीकाम प्रथम वर्ष में दोनों को एक ही बैच मिली, तो मुलाकात हुई। तब दोनों ने प्रपोज किया और प्रेम कहानी की शुरुआत हो गई। जैसे-जैसे समय बीतने लगा, वैसे-वैसे दोनों पर करियर और शादी का दबाव बढ़ने लगा। विपुल का घर इंदौर में होने की वजह से विपुल ने अपनी बहन से निधि की दोस्ती कराई। तब निधि का विपुल के घर आना-जाना होने लगा। वहीं निधि की बहन से विपुल की बहन की दोस्ती हो गई। इस तरह दोनों का एक-दूसरे के घर आना-जाना होने लगा। जब शादी की बात चली, तो दोनों घरों में बहनों ने इन दोनों का रिश्ता जोड़ने की वकालत की। इस बीच विपुल के दादाजी ने निधि को पहले गुजराती सिखाने की शर्त रखी। इस पर निधि ने गुजराती सीखी भी। इसके बाद दोनों परिवारों को काफी समझाया गया, बात की गई, तब जाकर वर्ष 2006 में दोनों की शादी धूमधाम से हुई। विपुल के कुटुम्ब की दूसरी पीढ़ी में इनकी पहली लव मैरिज थी। नवीन-वेदांगी देवभूमि में मिले मप्र और उप्र के दिल व्यवसायी नवीन योगराज इंदौर के रहने वाले हैं जबकि वेदांगी नारंग उप्र के लखनऊ की रहने वाली हैं। दोनों की पहली मुलाकात साल 2004 में हरिद्वार स्थित एक आश्रम में हुई थी। इसके बाद से दोनों में थोड़ी बातचीत शुरू हुई थी। दुर्भाग्य से उसी साल वेदांगी के पिता का देहांत हो गया। शादी से पहले वेदांगी का नाम ऋचा था। गुरु के कहने पर इनका नाम वेदांगी हो गया। अपनी प्रेम कहानी के साथ ही नवीन साल 2006 में परास्नातक की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए। वापस इंदौर आकर नवीन पैतृक व्यवसाय संभालने लगे। जब शादी की उम्र आई, तो नवीन ने अपने पिता को पूरी बात बताई। इसके लिए इन्होंने आश्रम वाले गुरुजी से बात की। पिता न होने की स्थिति में ऋचा की देखरेख करने वाले गार्जियन ने इस शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। नवीन के व्यवसाय की वजह से उन्हें परिवार की नैतिकता पर ज्यादा यकीन नहीं था। बाद में गुरुजी के समझाने पर दोनों परिवारों में संबंध हुआ और वर्ष 2009 में दोनों की शादी संपन्न हुई। फिलहाल इन्हें दो बेटे और एक बेटी है।

हादसे में टूट जाए दांत तो फेंके नहीं, फिर से जुड़ सकता है

सिटी चीफ इन्दौर

दांतों से जुड़ी बीमारियां जिस तेजी से बढ़ती जा रही है, वैसे ही नई तकनीकों के माध्यम से अब इसका उपचार भी आसान होता जा रहा है। निजी के साथ ही अब शासकीय अस्पतालों में भी मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलने लगी है। कई बार सड़क हादसे या विवाद के दौरान दांत टूट जाते हैं, जिन्हें अकसर लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं। उन्हें ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए।यदि उस दांत को संभालकर डाक्टर के पास पहुंच जाएं तो वहीं दांत वापस से लगाया जा सकता है। शासकीय स्वशासी दंत चिकित्सा महाविद्यालय में मरीजों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। यह प्रदेश का एकमात्र शासकीय अस्पताल है, जहां मरीजों को इस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं। अस्पताल में स्पलिंटिंग तकनीक की मदद से असली दांत को वापस

जोड़ा जा रहा है। वहीं यदि दांत को फेंक देते हैं तो फिर विकल्प के तौर पर नकली दांत मरीजों को लगवाना होता है। प्राचार्य संध्या जैन ने बताया कि हर माह टूटे हुए दांत लेकर करीब पांच-छह मरीज आते हैं। हालांकि लोगों में इसे लेकर अभी भी जागरूकता की आवश्यकता है, कई लोग दांतों को फेंक देते हैं। हमारे यहां आने वाले मरीजों में बच्चे भी शामिल है, क्योंकि कई बार खेलने के दौरान उनके दांत टूट जाते हैं। इस तकनीक से किसी भी उम्र के व्यक्ति का टूटा दांत दोबारा जुड़ सकता है।

एक घंटे में पहुंचे डाक्टर के पास

दंत रोग विशेषज्ञ डा. कुलदीप राणा ने बताया कि यदि किसी का दांत टूट जाता है तो उसे दांत को तुरंत दूध में डालकर या फिर मुंह के अंदर रखकर सीधे डाक्टर के पास पहुंचना चाहिए। यदि एक घंटे के अंदर मरीज अस्पताल पहुंच जाते हैं तो इसका परिणाम अच्छा होता है। दांत जहां से निकला हो, वहां खून जमा होता है। स्पलिंटिंग तकनीक के माध्यम से उस खून को साफ कर वहां तार से दांत को अस्थायी तौर पर जोड़ा जाता है। एक महीने बाद दांत पूरी तरह जुड़ जाता है। मरीजों को इसके लिए दो से तीन बार डाक्टर से उपचार करवाना पड़ता है। शासकीय अस्पताल में कम शुल्क में ही मरीजों का इलाज हो जाता है। बता दें कि निजी अस्पताल में भी मरीजों को यह सुविधा मिलती है।

दिन में सूरज और बादलों की आंख-मिचोली, रात में गुलाबी ठंड बरकरार, जानिए आगे कैसा रहेगा मौसम

सिटी चीफ भोपाल। वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास बरकरार है। उसके असर से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है। उधर, दक्षिणी गुजरात पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात अब भी बना हुआ है। पश्चिमी विदर्भ एवं मराठवाड़ा पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। यह सिस्टम दक्षिणी हवाओं के साथ पूर्वोत्तर की तरफ अभी भी नमी खींच रहा है। इसके असर से मप्र के पूर्वी इलाकों में कई जगहों पर गरज-चमक के साथ बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो रही है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के बाकी क्षेत्रों में आंशिक बादल बने हुए हैं। इस वजह से रात के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। दिन में भी सूरज और बादलों की

आंख-मिचोली के साथ ठिठुरन से राहत है। **रात में ठंड का असर कम** राजधानी भोपाल में पिछले पांच दिन से लगातार रात का पारा उछल रहा है। बुधवार को भी पारा पिछले दिन के मुकाबले 0.6 डिग्री सेल्सियस उछला और न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। भोपाल में रात का पारा लगातार तीन दिन से सामान्य से ऊपर बना हुआ है। वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो लगभग सामान्य रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के साथ उत्तरी हवाओं का असर बढ़ेगा, जिससे रात के तापमान में एक बार फिर गिरावट का दौर शुरू हो सकता है।

बढ़ेगा उत्तरी हवाओं का असर

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि हवाओं के साथ नमी आने के कारण प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल बने हुए हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान बढ़ने लगा है। बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के बाद हवाओं का रुख फिर उत्तरी होने लगेगा। उत्तर भारत के पहाड़ों से मैदानों की तरफ सर्द हवाएं चलने से फिर रात के तापमान में कुछ गिरावट होने लगेगी। हालांकि, अब कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद कम ही है।

कर्मचारी चयन मंडल ने ग्रुप-5 संयुक्त भर्ती व उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के नतीजे जारी किए, अभ्यर्थी ऐसे देखें अपना रिजल्ट

सिटी चीफ भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने ग्रुप-5 संयुक्त परीक्षा-2023 और उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2023 की परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए है। यह परीक्षा स्टाफ नर्स, एनएनएम, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी व अन्य समकक्ष पदों की सीधी भर्ती व बैकलॉग-सीधी भर्ती के लिए 26 जून से तीन जुलाई 2023 को आयोजित की गई थी। आरक्षण विवाद के कारण सात महीने बाद यह रिजल्ट जारी हो सका। ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ विभिन्न विभागों के अंतर्गत 4852 पद विज्ञापित किए गए थे। दोनों परीक्षाओं के परिणाम में ओबीसी आरक्षण विवाद के कारण 13 प्रतिशत होल्ड किए और 87 प्रतिशत पदों को मुख्य भाग मानकर रिजल्ट वर्गवार घोषित किया गया।मुख्य भाग में 4610 पद आए। वहीं 13 प्रतिशत यानी, 242 पद होल्ड किए। 226 पदों पर योग्य उम्मीदवार नहीं मिले हैं। इस संयुक्त भर्ती परीक्षा के लिए 95 हजार 299 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। इनमें से 66930 परीक्षा में शामिल हुए। ईएसबी ने रिजल्ट नोट जारी कर

बताया है कि आरक्षण मामले में हाईकोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है। कोर्ट का अंतिम निर्णय आने के बाद 13 प्रतिशत पद के परीक्षा परिणाम घोषित करने के संबंध में कार्रवाई की जाएगी। **ऐसे चेक करें रिजल्ट** अभ्यर्थी अपना रिजल्ट कर्मचारी चयन मंडल की आधिकारिक वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाकर इस तरह चेक कर सकते हैं। वेबसाइट के होम पेज पर आपको Result - Group-5 की लिंक पर क्लिक करना होगा। इससे एक नया पेज खुलेगा, जिसमें आपको अपना एप्लीकेशन नंबर, डेट ऑफ बर्थ एवं दिया गया कोड भरना होगा। इसके बाद सर्च बटन पर क्लिक कर दें। इससे आपका परीक्षा परिणाम स्क्रीन पर ओपन हो जाएगा, जहां से आप इसे डाउनलोड कर सकते हैं। उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा का परिणाम भी जारी उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2023 की परीक्षा दो अगस्त 2023 में आयोजित की गई थी। स्कूल शिक्षा विभाग के 7591 और जनजातीय कार्य विभाग के 1129 पदों पर नियुक्ति की जानी है। पदों की विज्ञप्ति में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इस पर रोक लगा रखी है, इसलिए अब परिणाम घोषित होने पर 13 प्रतिशत पदों को होल्ड पर रखा जाएगा।अब इसमें पात्र अभ्यर्थियों को आनलाइन काउंसलिंग के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

शहीद भवन में गुजराती नाटक का मंचन, भारत भवन में शाम को सजेगी सुरों की महफिल

सिटी चीफ भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। बुधवार 14 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी ।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने फरवरी माह के प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। श्रीमद्भागवत कथा - मानस भवन में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 16 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में रोज अपराह्न तीन घंटे अखिल भारतीय मानस संघ धर्म अध्यक्ष पंडित रामकृपालु उपाध्याय महाराज कथा सुना रहे हैं। समय दोपहर 2:30 बजे सायं 5:30 बजे

तक है। जनयोद्धा नाट्य समारोह - स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा शहीद भवन में जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। 15 फरवरी तक चलने वाले इस सप्तदिवसीय नाट्य समारोह में प्रतिष्ठित नाट्य निर्देशकों सहित मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय ,भोपाल द्वारा समारोह के लिए विशेष रूप से तैयार नाटक मंचित किए जा रहे हैं। आज इस समारोह के छठवें दिन पीएस चारि, वड़ोदरा के निर्देशन में गुजराती नाटक कणसरि का मंचन शाम 6.30 बजे से होगा। स्थापना दिवस समारोह - भारत भवन के अष्टदिवसीय स्थापना दिवस समारोह में आज दूसरे दिन शाम 6.20 बजे से रोशन और कंचन का मुसाधा गायन होगा। शाम 7 बजे गौतम काले का गायन होगा। शाम 7.40 पद्मभूषण से सम्मानित गायिका बेगम परवीन सुल्ताना का गायन होगा।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशी किए घोषित

सिटी चीफ भोपाल। राज्यसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने मध्य प्रदेश से अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने चार उम्मीदवार के नाम घोषित किए हैं। **मप्र से पांच सीटें खाली होंगी** उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश से दो अप्रैल को पांच राज्य सभा सीटें रिक्त हो रही हैं। इन सीटों के लिए चुनाव 27 फरवरी को होना है। इसके लिए नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी है। विधानसभा में दलीय स्थिति के अनुसार कांग्रेस एक सदस्य राज्य सभा में भेजने की स्थिति में है। समझा जाता है कि पार्टी बुधवार को इसके लिए प्रत्याशी घोषित कर देगी। आवश्यकता पड़ने पर 27 फरवरी को सुबह नौ से चार बजे तक मतदान होगा और पांच बजे से मतगणना की जाएगी। अटकलों के बीच कल पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कांग्रेस पार्टी के विधायकों को रात्रि भोज दिया। समझा जाता है कि इसमें राज्य

सभा चुनाव को लेकर तैयारी हुई। यह भी जानकारी मिली कि नामांकन पत्र पर प्रस्तावक विधायकों के हस्ताक्षर कराए गए। वहीं चार नामांकन पत्र तैयार किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा में दलीय स्थिति के अनुसार कांग्रेस एक सदस्य को राज्य सभा में भेजने की स्थिति में है। अभी विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या 66 है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के चुनाव आयोग से संबंधित कार्यों के प्रभारी जेपी धनोपिया ने कांग्रेस विधायकों से राज्य सभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी द्वारा किए जाने वाले नामांकन पत्र को तैयार कराया। इसमें विधायकों से प्रस्तावक के तौर पर नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर कराए। जानकारी के अनुसार एक नामांकन पत्र में दस प्रस्तावक होते हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्टी बुधवार को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद प्रत्याशी का नाम घोषित हो सकता है।

कियोस्क संचालक ने बच्चों की सवा दो लाख रुपये परीक्षा फीस में की हेराफेरी, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल। कमला नगर में एक कियोस्क संचालक ने निजी स्कूल के बच्चों की परीक्षा फीस माशिमं में जमा करने की बजाय खुद इस्तेमाल कर ली। इसके कारण उन बच्चों की फीस स्कूल प्रबंधन को लेट फीस के साथ जमा करनी पड़ी, नहीं तो वे परीक्षा नहीं दे पाते। स्कूल प्रबंधन की ओर से महिला की शिकायत पर कमला नगर थाना पुलिस ने कियोस्क संचालक पर एफआइआर दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है ।कमला नगर थाना पुलिस के अनुसार सुमन यादव बाग सेवनिया स्थित रजत विहार कालोनी में रहती है। अयोध्या नगर स्थित महर्षि विद्या मंदिर के नाम से एक स्कूल

संचालित करती हैं। उनके स्कूल के बच्चों की फीस जमा करने का काम शैलेंद्र सिंह सिसोदिया करता था। आरोपित शैलेंद्र सिंह सिसोदिया का नेहरू नगर में अक्षत इंटरप्राइजेज के नाम से एक कियोस्क केंद्र है।

अंतिम वक्त में उलझाया

सुमन यादव ने पुलिस को बताया कि शैलेंद्र को 30 सितंबर, 2023 को दो लाख 22 हजार रुपए परीक्षा फीस भुगतान के लिए दिए थे। यह रकम स्कूली बच्चों की होने वाली परीक्षाओं की फीस थी। माध्यमिक शिक्षा मंडल की तरफ से फीस जमा करने की अंतिम तारीख 15 अक्टूबर, 2023 थी। आरोपित ने 15 अक्तूबर की रात 9 बजे काल करके पीड़िता से कहा कि उनके पास जो रकम थी, वह उलझ गई है, इसलिए रात 12 बजे के पहले सवा दो लाख रुपये की व्यवस्था करें। ऐसा नहीं किया तो बच्चों की फीस जमा नहीं हो पाएगी। बाद में सभी बच्चों की फीस विलंब शुल्क के साथ जमा करनी पड़ी। शिकायत के आधार पर कमला नगर थाना पुलिस ने गबन का मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

जान का खतरा बता कर एसपी आफिस पहुंचा युवक हेलमेट पहनकर दर्ज करवाई शिकायत

ग्वालियर: आपसी विवाद का खौफ किस कदर किसी को डरा सकता है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मंगलवार को एसपी आफिस में देखने मिला। अपने ही पड़ोसी से खतरा मानकर एक व्यक्ति इतना खौफ में है कि अपनी जान बचाने के लिए घर से हेलमेट लगाकर निकल रहा है। दरअसल मामला गिरवाई थाना क्षेत्र के 12 बीघा सिकंदर कंपू इलाके का है। जहां राहुल सिंह परमार नामक युवक आटा चक्की चलाता है। वहीं पास में रहने वाले गौरव खटीक नाम के एक युवक ने बहन की शादी का कह कर 5 हजार रुपये का आटा उधार लिया था। जिसके पैसे बाद में चुकाने की बात भी कही थी । जब राहुल सिंह ने जब उसे पहली बार पैसे मांगे तो वह उसे जान से मारने की धमकी देकर चला गया लेकिन जब दूसरी बार पैसे का कहा तो बदमाश गौरव खटीक ने राहुल के हाथ को अपने मुंह से काट लिया जिससे वह लहूलुहान हो गया। इतना ही नहीं गौरव ने राहुल को धमकी भी दी कि अगली बार उधारी के रुपये मांगे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। अगला हमला सिर पर होगा। युवक इतना खौफ में है कि अब वो जब भी घर से निकलता है तो हेलमेट लगाकर ही निकलता है। यहां तक कि ग्वालियर एसपी से शिकायत करने जब राहुल पहुंचा तब भी वह हेलमेट उतारने राजी नहीं हुआ।

पति-पत्नी ने तीन लोगों को लगाया 33 लाख रुपये का चूना

चार से पांच गुना मुनाफा कमाने का दिया था लालच

उज्जैन। अब्दालपुरा निवासी दंपती ने कुछ लोगों को कंस्ट्रक्शन कंपनियों और इंदौर किराना होलसेल मार्केट में निवेश का झांसा दिया। जिसके बदले में चार से पांच गुना मुनाफा कमाने का लालच देकर 33 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद दोनों गायब हो गए। नीलगंगा पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शैलेंद्र मांडलिक, राकेश वाजपेयी निवासी तिरुपति डायमंड कालोनी, रवि पुत्र नारायण पांचाल निवासी तिरुपति प्लेटिनम कालोनी दाऊदखेड़ी ने शिकायत की थी कि उनके परिचित मनीष भाटिया निवासी अब्दालपुरा व उसकी पत्नी लीला भाटिया ने कंस्ट्रक्शन कंपनियों व इंदौर के होलसेल किराना बाजार में निवेश कर दो से चार गुना मुनाफा कमाने का लालच दिया था। भाटिया ने शैलेंद्र से 13 लाख 50 हजार रुपये, राकेश वाजपेयी से 12 लाख 80 हजार रुपये तथा रवि पांचाल से छह लाख 80 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद भाटिया दंपती एक जनवरी को घर पर ताला लगाकर भाग गए। दोनों ने अपने मोबाइल भी बंद कर लिए। तीनों लोगों ने धोखाधड़ी की शिकायत नीलगंगा पुलिस को की की थी। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

माता सरस्वती के प्रकटोत्सव पर आज वासंती रंग में रंगेगा शहर मंदिरों में विशेष अनुष्ठान, परमार समाज निकालेगा वाहन रैली

सिटी चीफ भोपाल। विद्या की देवी माता सरस्वती के प्रकटोत्सव दिवस वसंत पंचमी पर बुधवार को मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे। पाठशालाओं, संस्कृत संस्थानों में आकर्षक झांकी सजाई जाएगी। यज्ञ एवं हवन होंगे। श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर मां की आराधना करेंगे। अभिभावक छोटे बच्चों की विद्या आरंभ करवाएंगे। इस शुभ अवसर पर उपनयन संस्कार भी होंगे। वसंत पंचमी के पावन मौके पर अबूझ मुहूर्त में करीब 500 जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे ।करुणाधाम आश्रम के मंदिर में वसंत पंचमी के अवसर पर माता महालक्ष्मी के मंदिर को पीली रोशनी से सजाया जाएगा। माता सरस्वती का पूजन कर विशेष भोग लगाया जाएगा। आश्रम के युवाओं द्वारा भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। गायत्री मंदिर में 24 कुंडी महायज्ञ अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा बुधवार सुबह आठ बजे केसरिया ध्वज

केसरिया ध्वज फहराया गया। वसंत पर्व गायत्री परिवार के संस्थापक वेदमूर्ति तपोनिष्ठ युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के आध्यात्मिक जन्मदिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वसंत पर्व के दिन ही गुरुदेव को अपनी गुरुसत्ता से साक्षात्कार हुआ था। इस दिन विशेष रूप से बच्चों में विद्यारंभ संस्कार (शिक्षण का श्रीगणेश) यज्ञोपवीत संस्कार, दीक्षा संस्कार एवं विभिन्न संस्कार 24 कुंडी गायत्री महायज्ञ के माध्यम से कराए जाएंगे। सुबह नौ बजे से 24 कुंडी गायत्री महायज्ञ एवं संध्या की बेला में दीप महायज्ञ के साथ वसंत पर्व के कार्यक्रम संपन्न होंगे। उधर वसंत पंचमी की पूर्वसंध्या पर गायत्री मंदिर पर मोहक रांगोली भी सजाई गई। **बरखेड़ा में होगा भंडारा** बिहार सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में मां सरस्वती देवी प्रांगण, ई सेक्टर, बरखेडा में सुबह नौ बजे से हवन शुरू होगा। कार्यक्रम के संयोजक सतेंद्रसिंह ने बताया कि 10 बजे प्रसाद वितरण होगा। दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक भोजपुरी, मगही, मैथली एवं हिंदी सुरमई भजनों एवं लोकगीतों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। दोपहर 12:30 बजे से यहां भंडारा भी होगा। **वाहन रैली** वसंत पंचमी के अवसर पर बुधवार को परमार समाज भोपाल के पहाड़ी दुर्गा मंदिर स्थित धर्मशाला में मां सरस्वती की पूजा अर्चना का कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस दौरान समाज द्वारा विशाल वाहन रैली भी निकाली जाएगी। रैली पहाड़ी दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर वीआईपी रोड स्थित राजा भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा कर समाप्त होगी। परमार समाज शासन से एक बार फिर भोपाल का नाम बदलकर भोजपाल और मेट्रो का नाम बदलकर भोजपाल मेट्रो करने की मांग करेगा। **गुफा मंदिर में उपनयन संस्कार** गुफा मंदिर के पुजारी पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि वसंत पंचमी पर गुफा मंदिर परिसर स्थित श्री रामानंद आश्रम में महंत श्रीरामप्रवेशदास के सान्निध्य में सुबह 10 बजे से उपनयन संस्कार संपन्न होगा। इस अवसर पर मां सरस्वती का विशेष पूजन किया जाएगा।

संपादकीय

विश्व की आस्था का केंद्र हैं राम, आखिर क्यों अलग हैं 'तुलसी के राम'

तुलसीदास भक्त कवि थे और रामकथा को देखने और उसे बुनने की उनकी दृष्टि भी एक भक्त की थी। तुलसी के राम पर जब भी बात की जाती है तो हमें उनका प्रवेश भी स्मरण रखना चाहिए। क्योंकि कोई भी कृति अपने समय काल परिवेश से विलग नहीं होती है उसका आरम्भ ही अपने प्रवेश के सामाजिक, राजनैतिक घटनाक्रम के कारण होता है। ऐसे में तुलसी के राम को कैसे उनके मध्यकालीन सामाजिक बोध और लोकाचार से अलग किया जा सकता है? हमारे लोक में कथाओं का अथाह संसार विराजमान है। मगर उसमें से कुछ ही कथाएं वैश्विक स्वरूप धारण कर पाती है। उन्हीं में से एक तुलसीदास के राम है। जो भारतीय संस्कृति और लोक में इतनी गहराई से रच बस गए हैं कि उन्हें विलग नहीं किया जा सकता है। तुलसीदास के राम मात्र एक चरित्र नहीं है, वह सृष्टि के व्यवस्थापक है। सगुण और दोनों ही रूपों में विराजमान है। वह ब्रह्म भी है और मानव भी। वह संपूर्ण कलाओं में दक्ष, राजनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ, समाजसुधारक, नारी सम्मान के रक्षक, पिता के वचनों के रक्षक है, निर्भीक, संरक्षक, खल संहारक है, प्रज्ञा हितैषी है, नीति-निपुण शासक है। तुलसी के राम लोकरंजक और रक्षक है। वह सामान्य लोक-जीवन की प्रेरणा का स्त्रोत है। 'सम भाव सदा वैभव विपदा तथा नहीं राग न लोभ मान सदा' राम 'योगी, संयमी और निरभिमानी पुरुष है। इस तरह का चरित्र लोक में अन्य कहीं नहीं मिलता है। उसी प्रकार उनके 'राम राज्य' की स्थापना भी उनके जीवन दर्शन को अपनाकर ही संभव है। राम संपूर्ण विश्व की आस्था का केंद्र है। रमन्ते योगिन॒ यस्मिन स॒ राम॒-वस्तुत॒जो रमता है वही राम है।卐 वेद व्यास और वाल्मीकि से लेकर आधुनिक युग तक में रामकथा के विविध रूप उसके प्रति आस्था का स्वरूप देखा जा सकता है। मध्यकाल में कबीर और तुलसी के राम तो आधुनिक काल में गाँधी के राम 'रामकथा' के व्यापक परिदृश्य में राम की महत्ता को प्रदर्शित करता है। कबीर लिखते हैं कि 'दशरथ सुत तिहुं लोक बखाना। राम नाम का मरम न जाना।' तुलसीदास लिखते हैं कि %समुझत सरिस नाम अरु नामी। प्रीति परसपर प्रभु अनुगामी।% राम के नाम और राम के रूप में छोटे-बड़े का कोई प्रश्न नहीं है। गांधी जी राम के दोनों रूपों को स्वीकारते हैं। डॉ. कमल किशोर गोयका लिखते हैं कि 14 अप्रैल 1933 को लिखते हैं कि, 卐मेरा राम दशरथनंदन है सही, लेकिन वह उनसे भी बहुत अधिक है। वही सच्चिदानंद पूर्ण ब्रह्म है卐।तुलसीदास के राम लोक में व्याप्त है। उनकी यही लोक ग्राह्यता उन्हें व उनके काव्य को लोक में विशिष्ट बनाती है। विश्व में राम कथा का व्यापक स्वरूप मिलता है। भारत के परिदृश्य में अनेक भाषाओं में यह रामकथा कहीं गई है। लेकिन लोक में तुलसी के राम ही सर्वाधिक स्मरण किये जाते हैं क्योंकि यह 'राम/ उत्तर से दक्षिण तक आमजन का प्रतिनिधित्व करते हैं उनके लिए एक आदर्श मनुष्य की परिकल्पना गढ़ते हैं। ऐसा मनुष्य जो परिवार व समाज व राज्य के प्रति जिम्मेदारियों से भागता नहीं है जिसके लिए पारिवारिक संबंधों की महत्ता है और उनके निर्वहन के लिए वह सत्ता तक का परित्याग कर सकता है। जो कि मध्यकालीन अराजक परिवेश में एक तरह की तुलसीदास की परिकल्पना ही थी। जिसे वह अपने आराध्य राम के चरित्र के माध्यम से स्थापित करना चाहते थे। यही कारण भी है कि लोक में तुलसीदास के राम सदैव याद किए जाते हैं। संबंधों की परिपाटी में उनकी तुलना 'राम' से की जाती है। तुलसी के राम मानव भी है और ब्रहम स्वरूप भी। वह लोक कल्याण के लिए अवतार भी धारण करते हैं और लोक का कल्याण करते हैं। वह वेद शास्त्र, पुराण, धर्म, संस्कृति, जीवन मूल्यों और आदर्शों का समुच्य है। क्योंकि वह ब्रहम स्वरूप है मंगल भवन अमंगल हारी। उमा सहित जेहि जपत पुरारी और मानव भी मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवहु सो दशरथ अजिर बिहारी। तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस केवल रामायण की रामकथा का एक परिशिष्ट मात्र नहीं है, बल्कि यह लोक की संवेदनाओं से पाठक को जोड़ती है, इसकी अवधी भाषा व सरल दोहा चौपाई में लिखे गए छंद इस महाकाव्य को अन्य रामकथा से संबंधित महाकाव्यों से बेहतर तरीके से लोक से जोड़ता है। क्योंकि उनकी भक्ति का संबंध मानवता व करुणा से है। यही कारण है कि उनके संपूर्ण काव्य में मानवीय मूल्यों, लोकाचार, करुणा प्रेम का अद्भुत समागम देखने को मिलता है।' भक्तिकाव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना नामक पुस्तक में लेखक प्रेमशंकर 'राम मध्यकाल के जननायक शीर्षक में लिखते हैं कि-मेरा विचार है कि तुलसी भक्ति के माध्यम से मध्यकाल के लिए जिस जीवन दर्शन की तलाश कर रहे थे. उसके व्यवहारिक पक्ष के लिए उन्होंने राम की सामाजिकता को बार-बार उजागर करने की चेष्टा की और अपने चरित्र नायक को अधिक से अधिक लोकोन्मुख किया। उनमें जो अलौकिकता है वह भी मध्यकालीन परिवेश की उपज है, पर राम की सामाजिकता को समान्य जन स्वीकारते हैं, उन्हें अपना जननायक मानते हैं।' तुलसीदास के राम आदिकाल से लेकर वर्तमान समय तक लोक में सर्वाधिक प्रासंगिक है। समाज में मानवीय मूल्यों का ह्रास,अराजकता,नैतिक मूल्यों का विघटन, पारिवारिक संबंधों का मूल्य केंद्रित होना, आपसी अविश्वास, हिंसा, क्रोध, घृणा जैसी कितनी ही घटनाएँ हमारे समाज में घटित होती है। ऐसे परिवेश में एक ऐसा आदर्श चरित्र लोक का प्रतिनिधितत्व करता है जो लोक में लोकाचार, मानवीय मूल्य, नैतिक मूल्य, सांस्कृतिक मूल्यों की न केवल प्रतिष्ठा करता है बल्कि राजनैतिक संबंधों, राजा-प्रजा के संबंधों को एक नया रूप प्रदान करता है जो रामराज्य की नीव बनता है। जिसमें खुशहाल लोकतंत्र की स्थापना का जीवंत रूप देखा जा सकता है। वह समाज में सत्य, संयम, सद्व्यवहार, संकल्प, शालीनता, विनम्रता, नैतिकता, प्रेम, सहचर्य को स्थापित करता है। 'मूल्य' मानव जीवन का आधार है। इसके बिना जीवन का निर्माण संभव नहीं है। मूल्य ही धर्म का संरक्षण करते हैं। 'धर्म जो मनुष्य को मनुष्य से प्रेम करना सिखाए। धर्म के पालन अर्थात मूल्यों के ग्रहण करने से ही मानव के सभी तरह के दुख, विसंगतियाँ, शोक, क्रोध, हिंसा घृणा, लोभ, काम और अज्ञानता की प्रवृति का नाश हो जाता है। 'धरम ते बिरति जोग ते ज्ञाना, ज्ञान मोच्छप्रद वेद बखाना (मानस -3-15/1)' अर्थात धर्म का पालन करने वाले लाखों में कोई एक होता है उसी प्रकार मूल्यों को जीवन का आधार बनाने वाला भी कोई एक होता है। राम उन लाखों मानवों में से एक हैं। जिन्होंने धर्म का सम्यक पालन किया। जिनका सारा जीवन ही धर्ममय है। मूल्य जिनके जीवन का आभूषण है-नर सहस्त्र में सुनहु पुरारी, कोई एक होई धर्म व्रत धारी (मानस-7-53/1) मानव मन के आदर्श, मर्यादा, नियम, संयम और मूल्य रामचरितमानस और राम की विशेषताएं हैं।

भूविज्ञान: आखिर देश में क्यों आ रहे हैं इतने भूकंप

सबसे पहले मानवीय हानि कम करने के गंभीर प्रयासों

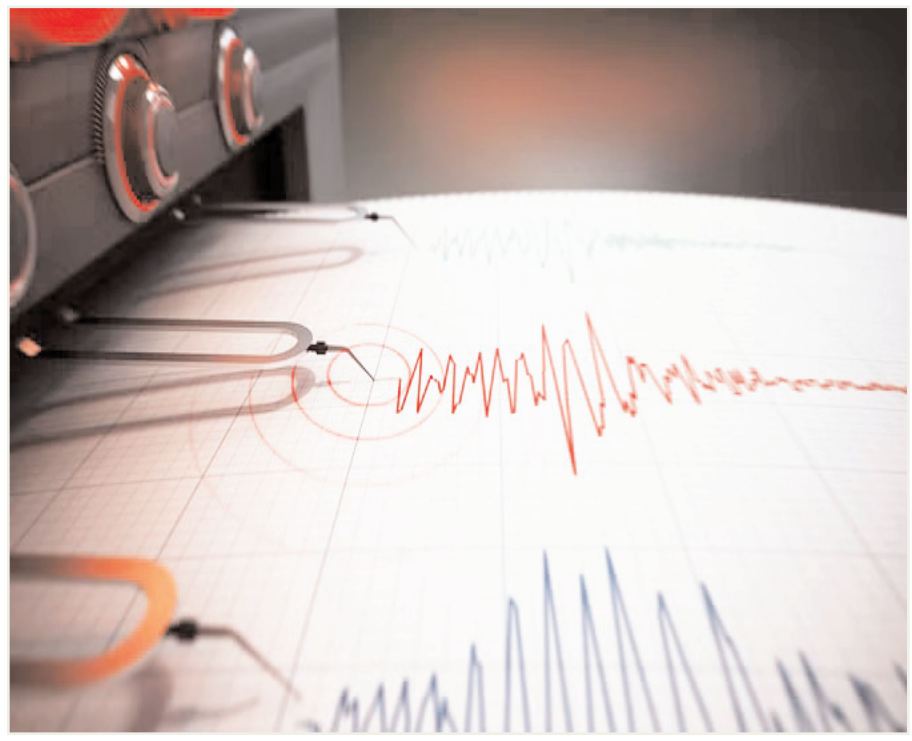

दिल्ली-एनसीआर के संदर्भ में भू-वैज्ञानिकों का कहना है कि छोटे-छोटे कंपनों से भूगर्भीय ऊर्जा निकल जाती है एवं बड़े भूकंप का खतरा कम हो जाता है।भू-वैज्ञानिक मानते हैं कि भारतीय प्रायद्वीप के यूरेशियन प्लेट से टकराने के फलस्वरूप धरती हिलती-डुलती है और भूकंप आते हैं। इसके अलावा धरती के भीतर की ऊर्जा के दबाव से भी भूकंपन होता है। लेकिन इसके प्रभाव-क्षेत्र में इंसानी बसाहट होने से परिणाम दुखद होते हैं। ऐसे में, इस संबंध में किए जाने वाले शोधों के लिहाज से यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि भूकंपन की आवृत्ति कितनी है? उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 के 365 दिनों में से 34 दिन देश में कहीं-न-कहीं भूकंप की घटनाएं होती रही हैं। यहां तक कि पिछले वर्ष का पहला व अंतिम दिन भी भूकंप से प्रभावित रहा है। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59 फीसदी भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। पिछले वर्ष एक जनवरी को दिल्ली से हरियाणा तक 3.8 तीव्रता के भूकंप के झटके रात 1.30 बजे दर्ज किए गए। पिछले वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर को भी दोपहर 2.30 पर 3.6 तीव्रता के झटके मध्य प्रदेश के सिंगरौली में महसूस किए गए। यहां 26 दिसंबर को भी कुछ झटके आए थे। मई को छोड़कर शेष सभी महीनों में देश के 14 राज्यों के 30 शहरों में 2.0 से 6.6 तीव्रता के झटके आए, परंतु कोई बड़ी जन-हानि नहीं हुई। दिल्ली एवं राष्टीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तरकाशी एवं मणिपुर क्रमश: नौ, पांच, चार एवं दो बार झटकों से प्रभावित हुए। देश के उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी एवं मध्य क्षेत्र में ज्यादा झटके आए। कुछ भूकंप के क्षेत्र काफी व्यापक भी रहे। 24 जनवरी को दोपहर 2.30 पर 30 सेकंड तक दिल्ली-एनसीआर में 5.3 तीव्रता के झटके आए। इन झटकों का प्रभाव उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा तथा राजस्थान के कुछ भागों में देखा गया। 19 फरवरी को मध्य प्रदेश के धार, बड़वानी, अलिराजपुर सहित कई जिलों में दोपहर 12.45 पर छह सेकंड तक तीन से चार तीव्रता के झटके आते रहे। इसका केंद्र धार जिले में 10 किलोमीटर की गहराई में बताया गया। दो अप्रैल को प्रात: जबलपुर, नर्मदापुरम एवं पचमढ़ी में 3.6 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। नर्मदापुरम में 21 मार्च की रात को भी कुछ झटके आए थे। 21 मार्च को दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में रात 10.20 पर 6.6 तीव्रता का कंपन हुआ था। तीन अक्तूबर को दोपहर में फिर दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में कंपन हुआ। इस भूकंप की तीव्रता 5.3 से 6.3 रेक्टर पैमाने पर आंकी गई। इसी दिन नेपाल में भी शाम को चार से पांच तीव्रता के झटके आने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए एवं 10 लोग घायल हुए। गुजरात के कच्छ एवं राजकोट में 30 जनवरी एवं दो फरवरी को 4.3 तीव्रता के झटके आए, परंतु कोई हानि नहीं हुई। मणिपुर के उखरूल व विष्णुपुर में चार फरवरी व 16 अप्रैल को हल्के झटके दर्ज किए गए। छत्तीसगढ़ के गौरला-पेंड्रा-मरवाही और कोरबा जिले के गांवों में 13 अगस्त की रात एवं सरगुजा तथा अनूपपुर में 28 अगस्त को भूकंप आया। कलबुर्गी (कर्नाटक), जोरहाट (असम), बीकानेर (राजस्थान), बिजनौर व अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में क्रमश: 18 जनवरी, 18 मार्च, 25 मार्च, तीन अप्रैल व पांच नवंबर को हल्के झटके आए। हिमालयी क्षेत्र एवं दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते भूकंपों के संदर्भ में भू-वैज्ञानिकों का कहना है कि छोटे-छोटे कंपनों से भूगर्भीय ऊर्जा निकल जाती है एवं बड़े भूकंप का खतरा कम हो जाता है। हिमालय के नीचे स्थित 'यूरेशियन प्लेट' के 'इंडियन प्लेट' से टकराने से 200 किलोमीटर दूर स्थित दिल्ली-एनसीआर में कुछ भ्रंश (फाल्ट) बन गए हैं, जिनके कारण इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा झटके आ रहे हैं। दूसरी ओर, मध्यभाग के संदर्भ में भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि यहां भी 'टेक्टोनिक प्लेट्स' में हो रही हलचल से झटके आ रहे हैं। खंडवा एवं नर्मदा नदी से जुड़े जिले ज्यादा संवेदनशील बताए गए हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भी नर्मदा व सोन नदी घाटी वाले जिलों में ज्यादा खतरा बताया है। इन जिलों में पिछले तीन वर्षों में 38 झटके दर्ज किए गए हैं। बढ़ता भूकंप देश के लिए एक नया खतरा बनकर उभर रहा है। अत: गंभीरता से ध्यान देकर ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए कि जानमाल की हानि कम-से-कम हो।

विंश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: रोमांटिक निर्देशक- वॉन्ग कार

विाईनिर्देशक बनने के पहले वॉन्ग काई-वाई एक स्क्रीनप्ले राइटर बने और जैसा कि रिवाज है स्क्रीनप्ले राइटिंग मिलजुल कर किया जाता है, वॉन्ग ने भी पहला रोमांटिक ड्रामा 'वन्स अपॉन ए रेनबो' दूसरों के साथ मिल कर लिखा। 'एज टीयर्स गो बॉय' उनकी निर्देशित पहली फिल्म थी।आजकल वैलेन्टाइन (प्रेम-रोमांस) का समय चल रहा है और ऐसे में वॉन्ग कार-वाई की 'इन द मूड फॉर लव' देखना एक बहुत सुकूनदायक अनुभव है। हॉन्गकॉन्ग के फिल्म निर्देशक एवं स्क्रीनप्ले राइटर फिल्म 'इन द मूड फॉर लव' (2000 की इस फिल्म का मूल शीर्षक है) में रंगों की बहार लेकर आते हैं। ये रंग आपको वास्तविक रूप से स्पर्श करते हैं, गहरे लाल, पी स्ट है, पूरी कहानी में वे दैहिक प्रेम नहीं करते हैं, ऐसा नहीं है कि कर नहीं सकते हैं, मगर उन्होंने तय किया है, वे ऐसा करेंगे नहीं। तय किया है, क्योंकि वे नहीं चाहते हैं वे ऐसा करें, जैसा उनके साथी कर रहे हैं। अगर वे ऐसा करते हैं, तो फिर नायक की पत्नी और नायिका के पति और उन दोनों में अंतर क्या रह जाएगा? दोनों के साथियों का विवाहेतर संबंध चल रहा है।अत॒ नायक मिस्टर चाऊ (टोनी लेउन्ग) और नायिका सु ली-झेन (मैगी चेउन्ग) बार-बार मिलते हैं, कभी सीढ़ियों पर, कभी सड़क पर, कभी होटल से खाना ले जाते हुए, मगर सोने के लिए वे अपने-अपने घर चले जाते हैं। समय 1962 का है और स्थान हॉन्गकॉन्ग का भीड़ भरा इलाका। दोनों पड़ोसी हैं, अत॒ टकराना होगा ही। इस अनोखी प्रेम कहानी को एक बार देखना बनता है, आप दोबारा इसे देखना चाहेंगे।फिल्म दिखाती है कि लाई (टोनी लेउन्ग) तथा हो (लेस्ली चेउन्ग) दोनों साथ रहते हुए सदा झगड़ते हैं, उनका एक साथ रहना कठिन है, मगर एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते हैं। फिल्म हॉन्गकॉन्ग, जापान तथा साउथ कोरिया का को-प्रोडक्शन है।17 जुलाई 1958 को चीन के शंघाई में जन्मे वॉन्ग काई-वाई आगे चलकर फिल्म निर्देशक एवं स्क्रीनप्ले राइटर बने। जब वे मात्र पांच साल के थे उनकी मां उन्हें शंघाई से लेकर हॉन्गकॉन्ग चली आईं, जबकि होटल डॉयरेक्टर उनके पिता, उनका भाई और उनकी बहन वहीं शंघाई में रह गए। पहले वॉन्ग काई-वाई ने ग्राफिक डिजाइनिंग का प्रशिक्षण लिया और इसके बाद टीवी नाटक की शिक्षा ली। यहीं से उनके फिल्म में प्रवेश का रास्ता खुला। निर्देशक बनने के पहले वे एक स्क्रीनप्ले राइटर बने और जैसा कि रिवाज है स्क्रीनप्ले राइटिंग मिलजुल कर किया जाता है, वॉन्ग ने भी पहला रोमांटिक ड्रामा 'वन्स अपॉन ए रेनबो' दूसरों के साथ मिल कर लिखा। 'एज टीयर्स गो बॉय' उनकी निर्देशित पहली फिल्म थी। तीन साल बाद 1990 में उन्होंने 'डेज ऑफ बीइंग वाइल्ड' बनाई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चाक्षुष रूप से अनोखे, शैलीगत विशेषता तथा भावात्मक फिल्म निर्देशक के रूप में पहचाने जाने वाले वॉन्ग कार-वाई की पहली दोनों फिल्मों को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन उनकी तीसरी फिल्म 'चुंगकिंग एक्सप्रेस' (1994) ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय सिने-फलक पर स्थापित कर दिया। 8 पुरस्कार जीतने वाली इस फिल्म में हॉन्गकॉन्ग के दो उदास पुलिस वालों को प्यार होता है, एक को एक रहस्यमयी अंडरवर्ल्ड औरत से और दूसरे को एक खूबसूरत वायवी लेटनाइट क्लब की वेट्रेस से। इस फिल्म ने टैरेन्टीनों को आकर्षित किया और वॉन्ग की फिल्में अमेरिका में प्रवेश पा गईं। सदैव काला चश्मा पहनने वाले वॉन्ग एक्शन सीन में हैंडहेल्ड कैमरे का उपयोग करते हैं। 2007 में वॉन्ग ने 'माई ब्लूबेरी नाइट्स' बनाई, जिसे उन्होंने लॉरेंस ब्लॉक के साथ मिल कर लिखा। इस फिल्म में आपको नोरा जोन्स, जूड लॉ, नैटली पोर्टमैन जैसे हॉलीवुड के अभिनेता नहर आएंगे। एक एकाकी स्त्री अपने आत्म की खोज में अमेरिका के आर-पार की यात्रा पर निकलती है, रास्ते में तमाम तरह के लोगों से मिलती है। यह उनकी पहली इंग्लिश फिल्म है, इसकी शूटिंग भी अमेरिका में हुई है।2004 में करीब एक घंटे की फिल्म 'द हैंड' बनाते हैं, जिसमें एक दर्जी का सहायक एक स्त्री ग्राहक के कपड़े डिजाइन करता है, इसी दौरान वह उसके प्रेम में पड़ जाता है। पहले स्त्री उसे मात्र लुभा रही थी पर बाद में दोनों में अच्छी ट्यूनिंग हो जाती है। इसी साल उन्होंने भविष्योन्मुख फिल्म '2046' बनाई। एक साइंस फिक्शन के लेखक के जीवन में कुछ वर्षों में कई स्त्रियों का प्रवेश होता है। फिल्म ने 48 पुरस्कार अपनी झोली में किए। 1995 में वॉन्ग कार-वाई ने 'फॉलन एंजल्स' बनाई। करीब डेढ़ घंटे की इस क्राइम-ड्रामा फिल्म में हॉन्ग कॉन्ग का एक पेशेवर गुंडा इस काम से निकलना चाहता है, इतना ही नहीं वह अपने पेशे की साथिन से भी दूर होना चाहता है। आगे क्या होता है, यह आप खुद देखें। फिल्म को 8 पुरस्कार प्राप्त हुए।

वसंत पंचमी: रंग गई पग-पग धन्य धरा, आज भारत की समृद्ध और बहुलतावादी परंपराओं में प्राण-प्रतिष्ठा की दरकार

उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचकर अक्सर बहुत-सी चीजें तरह-तरह से याद आती हैं। वसंत पंचमी की याद आते ही मुझे अपने छात्र जीवन की याद आती है। वसंत को ऋतुओं का राजा कहा जाता है-ऋतुराज वसंत। कविताओं में वसंत के बारे में अच्छी-अच्छी बातें पढ़ा करता था, लेकिन स्थिति यह थी कि परीक्षाएं भी वसंत ऋतु में ही होती थीं। जिस समय कविता में वसंत के प्रति उद्गार व्यक्त किए जाते थे, होली का समय करीब होता था, गांव की मंडलियां फाग गाया करती थीं, लोग होली के उत्सव की तैयारियां करने लगते थे, उस समय हम छात्र अपनी किताबों में डूबे होते थे। इम्तिहान के बुखार में डूबे हम छात्रों को इस उमंग-उत्साह में शामिल होने का मौका नहीं मिलता था। परीक्षा करीब आते देख मां-बाप पढ़ाई करने के लिए हमेशा डांटते रहते थे। यह वह दौर था, जब कहा जाता था कि पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे होगे खराब। ऐसे में, अक्सर ईश्वर से गुहार लगाते थे कि हे भगवान, वह दिन कब आएगा, जब हमारा भी वसंत होगा! जब मैंने एमए की परीक्षा दी, तब जान में जान आई कि अब परीक्षा का कोई भय नहीं रहा, अब वसंत मनाऊंगा। लेकिन उसी बीच छात्र जीवन में ही हमने केदारनाथ अग्रवाल की एक कविता पढ़ी थी-वसंती हवा। वह कविता पढ़ने में इतनी अच्छी लगती थी कि वसंत के प्रति मन में एक तरह का अनुराग उत्पन्न हो गया था। हवा हूं हवा मैं, वसंती हवा हूं से शुरू होकर यह कविता-वसंत पंचमी महाकवि निराला की जयंती भी है। निराला अपना जन्मदिन वसंत पंचमी को ही मनाते थे। अपनी एक प्रसिद्ध कविता हिंदी के सुमनों के प्रति में वह कहते हैं- मैं ही वसंत का अग्रदूत। देवी सरस्वती का संबंध भी वसंत पंचमी से है। हालांकि वसंत का संबंध कामदेव से भी है। कहा जाता है कि जिस दिन वसंत पृथ्वी पर अवतरित होता है, उसे वसंतावतार का दिन कहा जाता है और इसी दिन प्राचीन भारत में सुवसंतक नामक उत्सव मनाया जाता था। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है कि इसी दिन मदन देवता की पहली पूजा विहित है। अच्छा तमाशा है-जन्म हो वसंत का और उत्सव मदन देवता का। खैर, हमारे देश में जितने भी पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं, उनका संबंध प्रकृति से और कृषि संस्कृति से जुड़ा हुआ है। उत्तर भारत के कई इलाकों में किसान इस दिन श्रीपंचमी का उत्सव मनाते हैं, जिसमें हल की पूजा की जाती है। धरती का असली श्रृंगार तो फसलों से ही होता है। कालिदास ने फसलों को कृषिफल कहा है। वसंत के मौसम में ही गेहूं की बालियां परिपक्व होकर पकने लगती हैं। इसके अलावा, भूवैज्ञानिक भी कहते हैं कि घोर शीत ऋतु के बाद वसंत ऋतु में भूमध्य रेखा ठीक सूर्य के सामने आ जाती है। सूर्य की ऊर्जा, सूर्य का प्रकाश और उसकी ऊष्मा पृथ्वी पर सीधे पहुंचने लगती है। इस ऋतु में शीत तो दूर होती ही है, सूर्य की ऊष्मा पाकर पृथ्वी भी जग जाती है। उसकी चेतना जाग उठती है। जब पृथ्वी यानी प्रकृति जगती है, तो पुरुष भी जगता है, समाज भी जगता है, उसकी इछाएं, भावनाएं जगती हैं। उसमें विवेक और काम भावना का संचार होता है। इस तरह से सूर्य और प्रकृति का जो संयोग है, वह प्रकृति पर तो असर डालता ही है, मनुष्य और उसके समाज पर भी उसका असर होता है। पेड़, पौधे, नदियां, पर्वत, मनुष्य, समाज सब की चेतना जाग जाती है। वसंत ऋतु में सिर्फ मनुष्यों की इछाएं ही नहीं जागतीं, बल्कि प्रकृति भी इछाओं और कामनाओं से भर उठती हैं। वसंत ऋतु में तरह-तरह के फूलों का खिलना प्रकृति की इन्हीं कामनाओं का प्रतीक है। हरे-भरे खेतों में सरसों के पीले फूल प्रकृति की सुषमा में चार चांद लगा देते हैं। इस तरह से वसंत ऋतु सृष्टि के सृजन और विकास को गति देती है। महाकवि निराला ने तो लिखा ही है-रंग गई पग-पग धन्य धरा/ हुई जग जगमग मनोहरा। कहा जाता है कि वसंत में मन-प्राण खिल उठते हैं। हम लोग बचपन में देखते थे कि वसंत पंचमी के दिन से ही लोग एक-दूसरे को अबीर लगाना शुरू कर देते थे और सामूहिक रूप से होली गाई जाने लगती थी। वसंत के दौरान पूरे गांव-समाज में सामूहिकता की भावना व्याप्त दिखती थी। लेकिन आज सामूहिकता की वह भावना लगभग खत्म होती जा रही है। लोग आत्मकेंद्रित यादा हो चले हैं और अपनी-अपनी दुनिया में सीमित होकर रहने लगे हैं। कहने को तो स्मार्टफोन और इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया में कहीं भी पल भर में संवाद कर सकते हैं, लेकिन अपने आस-पास से कटकर हम अकेले हो चले हैं। प्रौद्योगिकी के विकास ने हमारे लिए अवसरों के अनेक द्वार तो खोले हैं, लेकिन हमारे सामने एक नया संकट भी खड़ा कर दिया है और वह संकट है-इकहरेपन का संकट। हम आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अपनी जड़ों से कटते भी जा रहे हैं। माखनलाल चतुर्वेदी की पंक्ति है-आह दबाओ यूं न समय की चट्टानों के नीचे-नीचे। हमारे देखते-देखते भाषा के कितने शब्द लुप्त हो गए। हम अपनी समृद्ध और सकारात्मक परंपरा को भूलते जा रहे हैं। परंपरा इकहरी नहीं होती, वह हमेशा समृद्ध और बहुलतावादी होती है। इकहरापन रचना की भी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। चाहे संस्कृति के क्षेत्र में हो या राजनीति के क्षेत्र में, इकहरापन कभी सफल नहीं हो सकता।

वसंत पंचमी के दिन हम इन सब चीजों पर जितना चिंतन करेंगे, उतना संभलेंगे। और संभलने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह आत्म सेवा के साथ समाज सेवा और देश सेवा भी है, क्योंकि जो खुद संभलेगा, वही तो दूसरों को संभाल सकता है।

सिंगल कॉलम

शिल्पा शेट्टी ने लिखा पीएम मोदी को लेटर

कहा- राम जन्मभूमि के पांच सौ वर्षों का इतिहास

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टीने राम मंदिर के बारे में पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। अयोध्या के राम मंदिर में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अलग-अलग क्षेत्रों से तमाम दिग्गजों को आमंत्रित किया गया था। टीवी सीरियल 'रामायण' का हिस्सा रहे अरुण गोविल से लेकर दीपिका चिखलिया तक और बॉलीवुड से अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल जैसे कलाकारों को इनविटेशन मिला था। जो इस ऐतिहासिक मौके पर यहां नहीं पहुंचे उन्हें घर पर बैठकर ही इस पावन पल को अपनी टीवी स्क्रीन पर देखा। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा भी उन सेलेब्रिटीज में थीं जो राम मंदिर में प्रभु श्रीराम के विग्रह को लेकर काफी उत्साहित थीं। एक्ट्रेस एक लेटर लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के ङ्ग हैंडल पर इस लेटर को रीशेयर किया गया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने लेटर में लिखा, आदरणीय मोदी जी, कुछ लोग इतिहास पढ़ते हैं। कुछ लोग इतिहास से सीखते हैं। लेकिन आप जैसे लोग इतिहास बदलते हैं। इस लेटर को बीजेपी के सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया गया है जहां लोग अपने रिएक्शन्स दे रहे हैं। **'राम के साथ जुड़ गया आपका भी नाम'** शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने अपने पत्र में लिखा, आपने राम जन्मभूमि के 500 वर्षों का इतिहास बदलकर दिखा दिया। आपको हृदय से धन्यवाद। इस शुभ कार्य के साथ, प्रभु श्रीराम के नाम के साथ, हमेशा-हमेशा के लिए आपका नाम भी जुड़ गया है। नमो राम। जय श्री राम। अयोध्या की पावन धरती पर प्रभु श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 22 जनवरी को किया गया था और ऐतिहासिक मौके से पहले पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बड़ी घोषणाएं भी कीं।

पूनम पांडे की बढ़ सकती है मुश्किलें, मौत के फर्जी मामले में मानहानि का केस दर्ज, पति सैम बॉम्बे भी फंसे

नई दिल्ली । सर्वाइकल कैंसर के चलते पूनम पांडे की मौत की खबर हाल ही में हर जगह चर्चा का विषय रही। बाद में पूनम पांडे ने सोशल मीडिया पर आकर बताया कि वह जिंदा हैं तो लोगों ने उन्हें जमकर खरी खोटी सुनाई। अपनी मौत का झूठी खबर उड़ाने के बाद अब पूनम पांडे और उनके पति सैम बॉम्बे मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। मुंबई के रहने वाले फैजान अंसारी ने कानपुर पुलिस कमिश्नर के साथ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दर्ज कराया है।

पूनम पांडे ने बिगाड़ी बॉलीवुड सेलेब्स की छवि
अपनी FIR में फैजान अंसारी ने आरोप लगाया है कि पूनम पांडे और उनके पति सैम बॉम्बे ने पब्लिसिटी पाने के लिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को लेकर लोगों में सीरियसनेस घटाने और अपनी मौत की झूठी खबर का ड्रामा खड़ा करने का काम किया है। फैजान ने लिखा है कि पूनम पांडे ने अपनी इन हरकतों से ना सिर्फ करोड़ों भारतीय का विश्वास तोड़ा है बल्कि बॉलीवुड के बेहिसाब लोगों की छवि को भी खराब करने का काम किया है।

फैजान ने की अरेस्ट वारंट जारी करने की अपील
क्योंकि पूनम पांडे कानपुर की रहने वाली हैं इसलिए फैजान ने लिखा है कि वो खुद सिविल लाइन्स कानपुर कोर्ट पहुंचकर पूनम और उनके पति सैम बॉम्बे के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दर्ज करा रहे हैं जिसकी एक कॉपी उन्होंने कानपुर पुलिस कमिश्नर को भी दी है। फैजान ने अपनी स्नङ्घक्र कॉपी में पूनम पांडे के खिलाफ तुरंत अरेस्ट वारंट जारी करने की अपील की है।

स्टंट के लिए जमकर हुई थी पूनम पांडे की निंदा
मालूम हो कि पूनम पांडे की मौत का ड्रामा खत्म होने के बाद ने भी एक्ट्रेस को जमकर लताड़ा था। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स असोसिएशन ने बयान जारी करते हुए एक्ट्रेस के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की अपील की थी। सेलेब्रिटीज से लेकर डॉक्टर्स और राजनेताओं तक ने पूनम पांडे द्वारा रचे गए इस पब्लिसिटी स्टंट की निंदा की थी और उनके अच्छे दोस्त मुनव्वर फारूकी ने कहा था कि इस तरह से अवेयरनेस नहीं फैलाई जाती है।

एक्ट्रेस जया प्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कोर्ट ने दिए अरेस्ट करने के सख्त निर्देश

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और रामपुर की एमपी-एमएलए जया प्रदा चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में फरार चल रही हैं। वो इस बार भी सुनवाई के लिए कोर्ट नहीं पहुंची। अदालत ने सातवीं बार उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने विशेष टीम गठित कर के पूर्व सांसद को अरेस्ट करने के सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने एक्ट्रेस को 27 फरवरी तक हर हाल में कोर्ट में पेश करने का आदेश जारी किया है।कोर्ट के आदेश के अनुसार जया को सोमवार यानी 12 फरवरी को सुनवाई के लिए कोर्ट में पहुंचना था। एक्ट्रेस के कोर्ट पर नहीं पहुंचने पर कोर्ट ने एक बार फिर उनके खिलाफ दोनों ही मामलों में गैर जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई पर उन्हें गिरफ्तार कर के कोर्ट में पेश किया जाए। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान जया प्रदा के ऊपर आचार संहिता उल्लंघन के दो मामले दर्ज हुए थे। ये मामले स्वार और केमरी थाने में दर्ज हुए थे। स्वार में जो मामला दर्ज हुआ, उसके मुताबिक जया पर आरोप है कि आचार संहिता लागू होने के बाद भी उन्होंने 19 अप्रैल को नूरपुर नाम के एक गांव में सड़क का उद्घाटन किया था। वहीं केमरी थाने में दर्ज आरोप में कहा गया है कि उन्होंने एक जनसभा आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दोनों ही मामलों पर कोर्ट में लंबे समय से सुनवाई चल रही है और जया प्रदा के खिलाफ पहले ही 6 बार गैर जमानती वारंट जारी हो चुका है, जबकि दूसरे मामले मे 5 बार वांरट जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद एक्ट्रेस अदालत में पेश नहीं हुई।जयाप्रदा को गिरफ्तार करने का आदेश पहले भी दिया जा चुका है।

पूर्व सांसद जया प्रदा को गिरतार करने का आदेश गैर जमानती वारंट लेकर तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली । आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में पूर्व सांसद और सिने तारिका जयाप्रदा एक बार फिर कोर्ट में पेश नहीं हुई। इस पर अदालत ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए उनके खिलाफ एक बार फिर गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। कोर्ट ने पुलिस को जयाप्रदा को गिरफ्तार करके पेश करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में सुनवाई के लिए 27 फरवरी की तारीख मुकर्रर की गई है। गैर जमानती वारंट लेकर पुलिस अभिनेत्री की तलाश में जुट गई है। इसके पहले भी जया प्रदा को खोजते हुए पुलिस दिल?ली तक जा पहुंची थी। पूर्व सांसद जयाप्रदा ने वर्ष 2019 में रामपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इस दौरान उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में आचार संहिता उल्लंघन के केस दर्ज हुए थे। विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में इन केस का ट्रायल चल रहा है। इस मामले में जयाप्रदा लगातार तारीखों पर नहीं आ रही हैं। इस पर उनके खिलाफ पूर्व में भी गैर जमानती वारंट जारी हो चुके हैं। जयाप्रदा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के मामले में गुरुवार को सुनवाई हुई। लेकिन, जयाप्रदा फिर कोर्ट में पेश नहीं हुईं। एडीजीसी संदीप सक्सेना ने बताया कि जयाप्रदा के लगातार तारीख पर न आने के चलते उन्हें एक बार फिर गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। सुनवाई के लिए 27 फरवरी की तारीख मुकर्रर की है।

जयाप्रदा को गिरफ्तार कर पेश करें : कोर्ट रामपुर। सिने तारिका जयाप्रदा को गैर जमानती वारंट जारी करते हुए पुलिस को आदेश दिए हैं कि जयाप्रदा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। मालूम हो कि जयाप्रदा की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने विशेष टीम गठित की हुई है। यह टीम जयाप्रदा के दिल्ली आफिस से लेकर मुंबई और हैदराबाद तक दबिश दे चुकी है। यह बात अलग है कि जयाप्रदा हाथ नहीं आयीं।

डेविड बेकहम और दुआ लीपा के साथ अवॉर्ड प्रेजेंट करती नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

नई दिल्ली । दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर देश को गर्व महसूस करवाया है। एक्ट्रेस लंदन में होने वाले बाफ्टा अवॉर्ड्स 2024 में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। हालांकि वह किस कैटेगरी में हैं इसको लेकर जानकारी नहीं मिली है, लेकिन वह डेविड बेकहम , केट ब्लैंचेट और दुआ लिपा जैसे सेलेब्स समेत अवॉर्ड प्रेजेंट करेंगी। दीपिका ने बाफ्टा द्वारा अनाउंस किए गए इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है और लिखा, आभार। **ऑस्कर में भी थीं प्रेजेंटर** बता दें कि दीपिका इससे पहले साल 2023 में ऑस्कर में भी बतौर प्रेजेंटर शामिल हुई थीं। उस समय दीपिका ने भारतीय फिल्म आर आर आर की टीम के गाने नाटू-नाटू के जीत की अनाउंसमेंट की थी। फिलहाल दीपिका के बाफ्टा में बतौर प्रेजेंटर जाने से पूरी फिल्म इंडस्ट्री और देश को एक्ट्रेस पर गर्व है क्योंकि इतने बड़े प्लेटफॉर्म में किसी भारतीय सेलेब का शामिल होना अपनी इंडस्ट्री को प्रेजेंट करना ही है। **दीपिका की फिल्में** दीपिका की फिल्मों की बात करें तो वह लास्ट फाइटर में नजर आई थीं जो पिछले साल रिलीज हुई थी। फिल्म में दीपिका के अलावा ऋतिक रोशन, अनिल कपूर भी अहम किरदार में थे। सिद्धार्थ आनंद द्वारा डायरेक्टेड इस फिल्म से सभी को काफी उम्मीद थी, लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। हालांकि उससे पहले रिलीज हुई दीपिका की फिल्म पठान और जवान सुपरहिट थी जिसमें वह शाहरुख खान के साथ नजर आईं। **अपकमिंग प्रोजेक्ट्स** अब दीपिका 2 बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं कल्कि 2898 एडी और सिंघम अगेन। कल्कि में दीपिका, प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ नजर आएंगी। यह हिंदी और तमिल फिल्म है। वहीं सिंघम अगेन में दीपिका डीसीबी शक्ति के रोल में नजर आएंगी। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दीपिका के अलावा अजय देवगन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, करीना कपूर खान और टाइगर श्रॉफ भी हैं।

सिंगर मल्लिका राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पंखे से लटका मिला शव

नई दिल्ली । म्यूजिक इंडस्ट्री से चौंका देने वाली खबर आई है. सिंगर विजय लक्ष्मी उर्फ मल्लिका राजपूत को अपने सुल्तानपुर स्थित घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया. पुलिस के मुताबिक, 13 फरवरी को मल्लिका राजपूत का शव उनके घर के कमरे के पंखे से लटका पाया गया. बेटी की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है.

सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचायत नामा भर कर शव को पोस्टमार्टम में भिजवाया. मल्लिका राजपूत की मां सुमित्रा सिंह ने बताया कि 'हम लोग लेटे हुए थे. पता नहीं चला. पहले दरवाजा बंद की हुई थी. उसके बाद दरवाजा खोलकर चिपका दी और लाइट जल रही थी. हम तीन चक्कर लगाए दरवाजा नहीं खोले. आखिर में लौटे और खिड़की से झांके तो देखे खड़ी है. दरवाजे में हम टक्कर मारे तो देखे बिटिया हमारी लटकी थी. हम अपने पति को बुलाए लड़कों को बुलाए लेकिन जान जा चुकी थी. कोई ऐसी बात नहीं थी. हमसे ही थोड़ी बहुत बात हुई थी. वो बराबर होता रहता था.' असल में मल्लिका राजपूत की मौत कैसे हुई ये बात पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही साफ होगी.

कौन थीं मल्लिका राजपूत
35 साल की मल्लिका राजपूत, सिंगर के साथ-साथ एक्ट्रेस भी थीं. उन्होंने 2014 में आई कंगना रनौत की फिल्म 'रिवॉल्वेर रानी' में काम किया था. इस क्राइम कॉमेडी फिल्म में मल्लिका ने सपोर्टिंग रोल निभाया था. इसके अलावा उन्हें सिंगर शान के गाने यारा तुझे के म्यूजिक वीडियो में भी देखा गया था. 2016 में मल्लिका राजपूत ने भारतीय जनता पार्टी जॉइन की थी. हालांकि दो साल के बाद उन्होंने राजनीति से किनारा कर लिया था. अपने फिल्मी और राजनैतिक करियर के फ्लॉप होने के बाद मल्लिका राजपूत आध्यात्म के रास्ते पर निकल पड़ी थीं. साल 2022 में उन्हें उत्तरप्रदेश के भारतीय सवर्ण संघ की नेशनल सेक्रेटरी जनरल के रूप में चुना गया था. मल्लिका एक ट्रेंड कथक डांसर भी थीं. बाद में उन्होंने खुद से गजल लिखना भी शुरू कर दिया था, जिन्हें वो अलग-अलग कविता सम्मेलनों में परफॉर्म भी किया करती थीं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मल्लिका राजपूत ने अपना यूट्यूब चैनल भी चलाती थीं. उन्होंने चार साल पहले प्रदीप शिंदे नाम के शख्स से शादी की थी. कहा ये भी जा रहा है कि सिंगर की शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें चल रही थीं. मल्लिका राजपूत की अचानक हुई मौत से उनका परिवार सकते में है. म्यूजिक इंडस्ट्री में भी शोक की लहर दौड़ गई है.

सालगिरह पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा को दिया ऐसा गिफ्ट कि देनों शरमा गए !

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर और फैंस के फेवरेट कपल्स में से एक हैं। दोनों की शादी को 1 साल हो गए हैं। कुछ दिनों पहले ही दोनों ने अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की। अब हाल ही में कियारा और सिद्धार्थ दुबई के एक इवेंट में नजर आए और इस दौरान भी दोनों को साथ देखकर सबकी निगाहें बस इन पर ही टिक गईं। दोनों साथ में काफी अच्छे लग रहे थे। इस दौरान कियारा से पूछा गया कि सिद्धार्थ ने उन्हें पहली वेडिंग एनिवर्सरी पर क्या गिफ्ट दिया तो जानें एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या मिला गिफ्ट
दरअसल, एक वीडियो वायरल हो रहा है जहां कियारा से पूछा गया कि आपको सिद्धार्थ ने क्या गिफ्ट दिया ? कियारा पहले ब्लश करने लगीं और फिर वह सिद्धार्थ के कंधे पर सिर रखकर बोलती हैं बहुत सारा प्यार। कियारा की बात सुनकर सिद्धार्थ भी हंसते हैं।

साथ में किया टाइम स्पेंड
वहीं सिद्धार्थ ने इस दौरान यह भी बताया कि दोनों अपने काम से ब्रेक लेकर साथ में एक ट्रिप पर गए और वहां एक-दूसरे के साथ बहुत सारा क्वालिटी टाइम स्पेंड किया।

दोनों की लव स्टोरी
बता दें कि सिद्धार्थ और कियारा के प्यार की शुरुआत फिल्म शेरशाह की शूटिंग के दौरान हुई। दोनों एक-दूसरे के करीब आए और फिर कुछ समय रिलेशन में रहने के बाद दोनों ने शादी कर ली। दोनों की शादी काफी प्राइवेट थी जिसमें परिवार वाले और करीबी दोस्त ही शामिल थे। हालांकि इसके बाद दोनों ने मुंबई में इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए रिसेप्शन पार्टी रखी थी जिसमें कई स्टार्स आए थे।

प्रोफेशनल लाइफ
दोनों की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो कियारा लास्ट पिछले साल फिल्म सत्यप्रेम की कथा में नजर आई थीं जिसमें कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। अब वह गेम चेंजर में दिखेंगी राम चरण के साथ। यह तेलुगु फिल्म है। इसके बाद कहा जा रहा है कि कियारा वॉर 2 में नजर आएंगी जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी होंगे। वहीं सिद्धार्थ की बात करें तो वह लास्ट रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में दिखे। अब वह फिल्म योद्धा में नजर आएंगे।

रणवीर सिंह के विज्ञापन पर मचा बवाल, रश्मि देसाई भी भड़कीं

मुंबई । इस प्यार के महीने में रणवीर सिंह 'सेक्सुअल हेल्थ एंड वेलनेस ब्रांड, बोल्ड केयर' से जुड़ गए हैं. जिसके बाद वो 'बोल्ड केयर' ब्रांड का प्रमोशन कर रहे हैं. इसी को लेकर हाल ही में रणबीर सिंह ने सोशल मीडिया पर ऐड शेयर किया. इसमें रणवीर संग एडल्ट एक्टर जॉनी सिंस भी नजर आए. इस विज्ञापन की थीम टीवी इंडस्ट्री सीरियल जैसी है. जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है. रणवीर सिंह और जॉनी सिंस का नया विज्ञापन खूब चर्चा में है। रणवीर ने सेक्शुअल अवेयरनेस को लेकर जॉनी के साथ मिलकर काम किया है। हालांकि, टीवी की फेमस एक्ट्रेस रश्मि देसाई को इससे आपत्ति है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन दिया है, जोकि वायरल हो रहा है। आइये जानते हैं मामला। टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और जॉनी सिंस को नए विज्ञापन के लिए निशाने पर लिया है। सोमवार को दोनों ने इरेक्टाइल डिसफंक्शन (नपुंसकता) पर एक विज्ञापन जारी कर सभी को चौंका दिया। वीडियो को सीरियल स्टाइल में शूट किया गया, जिसे शोज का मजाक उड़ाने के तौर पर भी देखा जा रहा है। कई साल तक टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाली रश्मि ने कहा कि ये एड अपमानजनक है और चेहरे पर एक तमाचा जैसा महसूस हुआ है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपना रिएक्शन देते हुए लिखा, 'मैंने अपना काम रीजनल फिल्म इंडस्ट्री से शुरू किया है और फिर टीवी इंडस्ट्री में काम करना स्टार्ट किया। लोग इसे छोटी स्क्रीन कहते हैं। जहां नॉर्मल लोग न्यूज, क्रिकेट और तमाम बॉलीवुड फिल्मों के अलावा बहुत कुछ देखते हैं। इस रील को देखने के बाद, जिसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, मुझे लगा कि ये पूरी टीवी इंडस्ट्री और इसमें काम करने वाले लोगों का अपमान है।'

भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लिए 7 फीसदी से ज्यादा गति से विकास करना होगा

नई दिल्ली। *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आजादी के 100वें साल 2047 तक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है. भारत को अगर इस लक्ष्य को हासिल करना है तो उसे 7 से 8 फीसदी की विकास दर बनाए रखने होगी. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने मंगलवार को विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति अपने विचार रखे. उन्होंने कहा कि इस विकास दर के साथ ही हम प्रति व्यक्ति आय को 13 हजार डॉलर तक पहुंचा पाएंगे. प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के पूर्व चेयरमैन रंगराजन ने कहा कि असमानता और गरीबी को मिटाने के लिए इनोवेशन एकमात्र रास्ता नहीं हो सकता. देश को तेज विकास दर हासिल करनी होगी. साथ ही सोशल सेफ्टी के लिए सब्सिडी का इंतजाम भी करना होगा. उन्होंने कहा कि 7 से 8 फीसदी की विकास दर भारत को विकसित बनाने के नजदीक पहुंचा देगी. फिलहाल भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2700 डॉलर है. हमें इसे 13 हजार डॉलर तक ले जाना है. हमें प्रति व्यक्ति आय को 5 गुना तक बढ़ाना होगा रंगराजन के अनुसार, यदि एक्सचेंज रेट नीचे रहे और कीमतें ऊपर गईं तो आय बढ़ेगी. इसके साथ ही विकसित देश बनने की ओर भारत की यात्रा बढ़ती रहेगी. डॉलर की कीमत और महंगाई से देश की विकास दर मजबूत होती चली जाएगी. उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी में इनोवेशन के दम पर भारत की आर्थिक विकास दर मजबूत हुई है. अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि पिछले डेढ़ दशक से देश की आर्थिक तरक्की को टेक्नोलॉजी ने बहुत मदद की है. आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि अब टेक्नोलॉजी को ऐसे इनोवेशन करने पर ध्यान देना होगा, जिससे निचले आय वर्ग के लोगों को सुविधाएं कम दाम पर और हर जगह मिल सकें।*

उत्तर की एक लाइन लिखने पर भी मिलेंगे अंक, हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड शुरू करेगा नई व्यवस्था

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। विद्यार्थियों को अब परीक्षा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर के रूप में लिखी जाने वाली लाइनों के हिसाब से अंक दिए जाएंगे। यानी की अगर विद्यार्थी प्रश्न के उत्तर की एक लाइन भी लिखेंगे तो भी नंबर मिलेंगे। बोर्ड शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन में स्टेप वाइज मार्किंग सिस्टम लागू की योजना बना रहा है। विद्यार्थियों को परीक्षा में पूछे गए प्रश्न का जितना भी उतर आता है, अगर वह उसे भी लिख देंगे तो उन्हें लिखी लाइनों के हिसाब से अंक मिल जाएंगे। शिक्षा बोर्ड के कदम से परीक्षार्थियों की पास प्रतिशतता में भी बढ़ोतरी होगी, वहीं इसका विद्यार्थियों को भी लाभ होगा। स्टेप वाइज मार्किंग सिस्टम शुरू होने से विद्यार्थियों को यह फायदा होगा कि वह सवाल पूरा नहीं छोड़ेंगे। पहले होता था कि विद्यार्थी आधा स्टेप आते हुए भी सवाल छोड़ देते थे, लेकिन अब विद्यार्थी कम से कम उतने स्टेप जरूर हल करेंगे, जितने उन्हें आते हैं। छात्रों को पता होगा कि स्टेप्स को लिखने के उन्हें अंक मिलेंगे, तो वे प्रश्न को कुछ न कुछ हल करके कम से कम आधा अंक तो पा ही सकेंगे। इस तरह छात्र कोई भी सवाल नहीं छोड़ेंगे। इस मार्किंग सिस्टम को छात्र अच्छे से समझकर तैयारी करेंगे तो फेल नहीं होंगे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड स्टेप वाइज मार्किंग सिस्टम को लागू करने की योजना बना रहा है। इसका प्रपोजल तैयार कर सरकार को भेजा जा रहा है। स्टेप वाइज मार्किंग सिस्टम लागू होने से परीक्षार्थियों को खासा लाभ होगा और वे हर पूछे गए प्रश्न का उत्तर उतना जरूर लिखेंगे, जितना उन्हें आता होगा।- डॉ. मेजर विशाल शर्मा, सचिव, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला।

पाम तेल की आपूर्ति घटने की रिपोर्ट, मांग कमजोर होने से सोया-मूंगफली तेल के दाम

मलेशिया पाम तेल वायदा मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बताया जा रहा है कि वहां तेल का भंडार छह महीने में सबसे निचले स्तर पर आ गया है। बर्सा मलेशिया डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर अप्रैल डिलीवरी के लिए बेंचमार्क पाम तेल अनुबंध 14 रिंगिट बढ़कर 3898 रिंगिट पर बंद हुआ। जो 818.22 डालर होता है।दरअसल, स्टाक अपेक्षा से अधिक गिरा है ऐसा विश्लेषक मान रहे हैं। इससे दुनियाभर में अन्य खाद्य तेलों के दाम पर भी असर पड़ेगा। केएलसीई में अप्रैल और मई वायदा बढ़कर बंद हुआ। दूसरी ओर शिकागो बोर्ड आफ ट्रेड (सीबोट) पर सोया तेल की कीमतें 1.2 प्रतिशत बढ़ी है भारत में भी पाम तेल का आयात जनवरी में 12 प्रतिशत से अधिक गिर गया है। हालांकि अमेरिका महाद्वीप से सोयाबीन की पर्याप्त आपूर्ति की और सुस्त ग्राहकी होने से स्थानीय बाजार में तेल की तेजी को सपोर्ट नहीं मिल रहा है। उपभोक्ता मांग थोक बाजार में कमजोर बनी हुई है। इंदौर थोक बाजार में पाम तेल में दो रुपये की तेजी आई और पाम तेल 905 रुपये बिका। हालांकि सोयाबीन तेल के दाम स्थिर रहे। सोयाबीन रिफाइंड इंदौर में 895 से 900 रुपये प्रति दस किलो बिका। मूंगफली तेल के दाम भी स्थिर 1450 से 1470 रहे। हालांकि गुजरात प्लांटों की ओर से मूंगफली के निचले दामों में सुधार हुआ है लेकिन ऊपर में दाम स्थिर है। प्लांटों ने सोयाबीन खरीद भाव 20 से 50 रुपये तक घटा दिए हैं। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1450-1470, मुंबई मूंगफली तेल 1460, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 895-900, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 840-845, इंदौर पाम 905, मुंबई सोया रिफाइंड 890, सोया डीगम 820, मुंबई पाम तेल 855, राजकोट तेलिया 2280, गुजरात लूज 1425, कपास्या तेल इंदौर 825 रुपये। प्लांटों के सोयाबीन खरीदी भाव - अवि 4550, अंबुजा पीथमपुर 4500, प्रकाश 4680, दिव्य ज्योति 4625, देवास महेश 4600, रुचि 4550, प्रेस्टीज 4640, लक्ष्मी 4625, लाभांशी 4650, स्नेहिल 4650, इटारसी केएन 4575, सांवरिया 4600, नीमच एमएस 4675, धानुका 4685, धीरेंद्र 4675, प्रोटीन 4675, रतलाम सिंहल 4675, बेतुल 4660, सतना 4700, कालापीपल वर्धमान 4600, खंडवा 4600, मंदसौर अंबुजा 4500, सूर्या 4650, जावरा 4650, पचोर 4600, ब्यावरा 4550, रामा धर्मपुरी 4500 रुपये प्रति क्विंटल।।

सरकारी कदमों से गेहूं में खरीदी थमी दाम घटने से किसान माल लेकर लौट रहे

इंदौर। गेहूं में स्टाक सीमा आधी करने के बाद अब मंडियों में दाम तो घट ही रहे हैं, लेवाली भी अटकने लगी है। शनिवार को छावनी किसानी और व्यापारी मंडी में करीब 2800 बोरी गेहूं की आवक हुई। नए गेहूं की क्वालिटी कमजोर आ रही है। ऐसे में खरीदार दाम घटाकर बोल रहे हैं। 2600 से 2650 नया गेहूं मांगा जा रहा है, जबकि किसान 3000 रुपये की अपेक्षा कर रहे हैं।दलाल हीरालाल अगीवाल के अनुसार, क्वालिटी कमजोर होने से लेवाल बच रहे हैं। किसान कम दाम पर देने से इनकार कर रहे हैं। बिना बेचे माल वापस जा रहे हैं। मिल वालों में स्टाक लिमिट का भी डर है। इसकी वजह से भी खरीदी अटक रही है। शनिवार को मंडी में मिल क्वालिटी गेहूं 2500-2525, पूर्णा 2800-2825 , लोकवन 3000-3050, मालवराज 2500-2525 और मक्का 2275 से 2300 रुपये क्विंटल बिकी। काबुली चने में घरेलू मांग के साथ ही निर्यातकों की अच्छी पूछताछ आने के कारण काबुली चने में जोरदार तेजी देखने को मिली है। शनिवार को काबुली चना कंटेनर में करीब 500-600 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया। व्यापारियों का कहना है कि मौसम में उतार-चढ़ाव की वजह से काबुली चने की आवक में देरी हो रही है। जबकि अच्छी क्वालिटी के काबुली की बाजार में शार्टेज बनी हुई है। मार्च मध्य से पहले काबुली चने में मंदी के आसार कुछ कम नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर पश्चिमी कनाडा की मंडियों में काबुली चना का भाव पिछले 8-10 दिनों से एक निश्चित सीमा में स्थिर बना हुआ है। हालांकि सरकारी एजेंसी स्टैट्स कैन ने 2023-24 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन के दौरान काबुली चना की कुल उपलब्धता में गिरावट आने की संभावना जताई है। मगर व्यापारी एवं निर्यातक इससे सहमत नहीं है। इधर, भारत में भी काबुली चना के नए माल की आवक जल्द ही आरंभ होने वाली है। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 15700, 42/44 15500, 44/46 5300, 58/60 13400, 60/62 14200 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया। दूसरी और वैवाहिक सीजन के मुहूर्त खूब होने के कारण चना से बने उत्पाद चना दाल और बेसन में मांग का दबाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है जिसके चलते मिलर्स की डिमांड चने में एकाएक बढ़ गई है जबकि मंडियों में चने की आवक बेहद कमजोर दर्ज की गई। दरअसल, अमावस्या की छुट्टी के बाद शनिवार को मंडी खुली और रविवार को फिर मंडी बंद होने के कारण किसान माल नहीं लाए है जिससे बाजार में चने की शार्टेज देखने को मिली है। इससे चने की तेजी को बल मिला है। इंदौर में चना कांटा 100 रुपये उछलकर 6100-6150, विशाल 6050, नया विशाल 5850-6000, डंकी 5600-5800 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। चना दाल में भी अच्छी पूछताछ रहने से भाव मजबूत बोले गए। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परविर्तन नहीं रहा।

दलहन के दाम - चना कांटा 6100-6150, विशाल 6050, नया विशाल 5850-6000, डंकी 5600-5800, मसूर 5950, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10100-10300, कर्नाटक 10200-10400, निमाड़ी तुवर 9000-9900, मूंग 9000-9300, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9500, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7700-7800, मीडियम 7900-8000, बेस्ट 8100-8200, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 12300-12400, मीडियम 13300-13400, बेस्ट 14400-14500, ए. बेस्ट 15400-15500, ब्रांडेड तुवर दाल नई 15500, उड़द दाल 10900-11000, बेस्ट 11100-11200, उड़द मोगर 11400-11500, बेस्ट 11600-11700 रुपये क्विंटल।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिबार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

आंचलिक

मैहर सीमेंट वर्क्स के द्वारा सीएसआर मद से आयोजित किया गया क्रिकेट टूर्नामेंट, यूनिट हेड ने किया शुभारंभ

सिटी चीफ

मैहर, मैहर के सरलानगर स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है मैहर सीमेंट वर्क्स के द्वारा सीएसआर मद से ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य को लेकर टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ संस्था प्रमुख राहुल सहगल जी , मानव संसाधन प्रमुख करुणेश पांडे जी के मार्गदर्शन में सीएसआर विभाग प्रमुख विपिन सक्सेना द्वारा किया गया खेल का शुभारंभ संस्था प्रमुख के द्वारा रिवेन कट कर शुरुआत की गई उसके पश्चात खिलाड़ियों के परिचय प्राप्त किया गया इस टूर्नामेंट का उद्देश आसपास के गांव के खिलाड़ियों की प्रतिभा को उभारने के लिए आयोजन किया गया है टूर्नामेंट में आसपास के गांव के तमाम खिलाड़ियों को खेलने का मौका दिया गया है टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के टीशर्ट भी वितरण किया गया है अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के सीएसआर मद से खेल का आयोजन किया गया है । आज हुए दो मैचों में पहला मैच सोनवाड़ी और उमरी के बीच खेला गया जिसमें सोनवरी ने जीत दर्ज की एवं दूसरा मैच ग्राम पंचायत चौपड़ा और पतेहरा के बीच खेला गया जिसमें ग्राम पंचायत चौपड़ा विजई रही , टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था प्रमुख राहुल सहगल , एडमिन हेड जेपी सिंह , विपिन सक्सेना , एच आर हेड करुणेश पाण्डेय , डॉ. अतुल शंकर तिवारी , उमाकांत उपाध्याय मंटू सरपंच पती सोनवारी , शारदा महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी मोहम्मद आशिक , राजकुमार पटेल , आदि तमाम खेल प्रेमी मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश मे विधुरों और अविवाहितों को मिले विधुर पेंशन योजना : विष्णुनाथ पाण्डेय

सिटी चीफ

मध्यप्रदेश में विधुर और अविवाहितों को मध्यप्रदेश सरकार विधुर पेंशन योजना के नाम से संचालित करनी चाहिए योजना आज प्रदेश मे विधुर और अविवाहित लोगों में जहा वृद्धि हो रही है आज नई नई विमारियो से मानव जीवन ग्रशित हैं वही इन विमारियो के कारण शादी शुदा जिंदगी में महिलाएं विमारी से ग्रशित होकर काल के गाल में समाहित हो रही है वही पत्नी के विमारी के कारण पति अपना धन दौलत बेच कर, गिरवी कर इलाज करवाता है और अंततोगत्वा काल के गाल में समाते हुए पति पत्नी की जोड़ी बिछड जाति है और पति का धन धर्म दोनो नष्ट हो जाता है जो संपत्ति गिरवी कर देते हैं वह दोहरी मार झेलते हुए कुछ मानसिक रोगी बन जाते हैं और अपने बच्चो को ना सही ढंग से परवरिश कर पाते है ना अच्छी शिक्षा दे पाते हैं और पूरा घर तहस नहस हो जाता है ऐसी परिस्थितियो को मध्यप्रदेश सरकार को गौर करना चाहिए और उस परिवार को आर्थिक सहायता के साथ साथ विधुर पेंशन योजना लागू करने की जरूरत है। ठीक उसी तरह जिस अनुपात से लडको की संख्या में लड़कियों की संख्या में भारी कमी देखी जा रही है जिसके कारण अविवाहितो की संख्या में भारी वृद्धि हुई वही युवा बिना शादी के ही लंबा जीवन जी रहे हैं और शादी ना होने के कारण सरकार के बहुत सारी योजनाओं का लाभ लेने से भी वंचित रहते हैं साथ ही कुंठित जीवन होने के कारण मानसिक वा शारीरिक हीन की दशा में भी बड़े पैमाने पर लोग मध्यप्रदेश में रहते हैं जिसे मध्यप्रदेश सरकार जल्द ही गौर करते हुए भाजपा की हरियाणा सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी विधुर पेंशन लागू करे वा मध्यप्रदेश सरकार विधुर और अविवाहितों की आयु 60 वर्ष होने के बाद उन्हें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता वृद्धा पेंशन दिया जाए।

सतना सर्किट हाउस चौक बीच सड़क में शराब के नशे में धुत महिला का ड्रामा

सतना, सतना सर्किट हाउस चौराहे के पास एक महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा घंटों चला, शराब के नशे में बताई जा रही है महिला, बीच सड़क पर लेट गई महिला, सड़क में लगा रहा जाम। पुलिस द्वारा महिला को सड़क से हटकर किया गया किनारे, पुलिस के समझाइश के बाद गई महिला।

डंके की चोट पर सहकार ग्लोबल के ट्रांजिट पास पर डेविड का अवैध खनन, ओभरलोडिंग परिवहन का खेल

सिटी चीफ

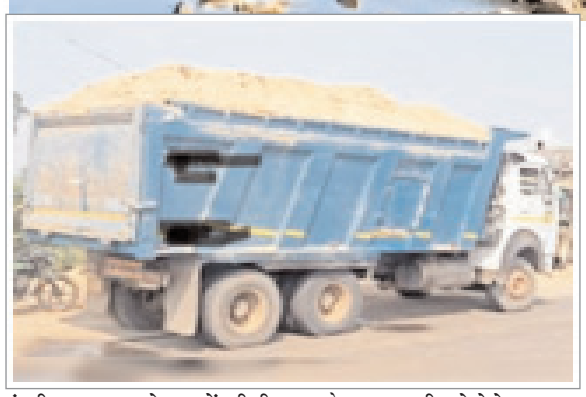

शहडोल, इन दिनों जयसिंहनगर ब्यौहारी और देवलोद थानांतर्गत की सड़कों पर दिन और रात के समय भारी भरकम डंपर को चालक तेज रफ्तार के साथ वाहनों में ओवर लोड रेत भरकर अवैध रूप से परिवहन कर रहे हैं है, जिससे लगातार सड़क हादसों की आशंका बनी हुई है तो वहीं शासन को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। हालांकि यह नुकसान मध्यवर्गीय जनता से हेलमेट सीटबेल्ट के नाम पर अनवरत वसूला जा रहा है लेकिन अचरज की बात है थानांतर्गत से लेकर जिले के जिम्मेदार अफसर इन रेत ओभरलोडिंग के खेल वाले माफिया पर कार्रवाई करने से परहेज़ कर रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि रेत माफिया के बुलंद हौसलों के सामने प्रशासनिक अफसर व खनिज विभाग के अधिकारी बौने साबित हो रहे है। जिले से प्रति दिन तीन सैकड़ों की संख्या मे रेत से भरे बड़े बड़े डंपर निकलते है। इन डंपरों में ओवरलोड रेत भरी होने के कारण सड़कें भी बेजा क्षतिग्रस्त हो रही हैं। एक ओर जिसके चलते जहां मध्यप्रदेश शासन को हर दिन लाखों रुपए की रायल्टी का नुकसान हो रहा है तो वहीं सड़कों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। रेत से भरे यह डंपर, टेलर, 16-18 टायरा ट्रकों का काफिला शहडोल जिले की सड़कों से निकल कर सतना जिले की सीमा से होकर गोविंदगढ़ रीवा पहुंचते ही दो ट्रकों से तीन ट्रक बनाकर रेत कारोबारी दलाल रेत माफिया करोड़ों की मिल्कियत बना चुके हैं इसका उदाहरण के रूप में देखा जाए तो रेत ठेका

कंपनी सहकार ग्लोबल में सीधी के कथित रेत माफिया का नाम आ रहा है जिसका नाम पटवारी हत्याकांड में काफी सुर्खियां बटोर चुका है जिसमें एसडीओपी रवि कोल और कथित नेता की रिकार्डिंग वायरल हुई थी। दोनों की आवाज में सुनाई दे रहा था कि गठबंधन सुनहरी रेत का नदी और सोन नदी घड़ियाल अभ्यारण को चंद पैसों की खातिर निस्तोनाबूद करने में आमादा है।

हम आपको बता दें कि रेत के ओवरलोड ट्रकों डंपरो को आप अक्सर ढाबों पर घंटों खड़े रहते हैं, लेकिन कभी किसी अफसरों द्वारा इस रेत से भरे इन ट्रकों एवं डंपरों पर कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि खनिज विभाग की सफेद सरकारी बोलेरो लगातार ब्यौहारी के जेपी नामक होटल में खड़ी होती है और फिर सारी ओभरलोडिंग वैध हो जाती है। सुधि जनों ने मांग की है कि कलेक्टर वंदना वैध को इस अवैध रेत परिवहन और लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत खनन करने वाले लोगों पर कार्यवाही करें। वरना प्रशासनिक कसावट की कलई खुल कर रह जाएगा।

क्या कारण है आखिर...

ओवरलोड रेत से भरे डंपर पुलिस थाना, एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय के समाने से बेखौफ होकर प्रति दिन निकलते है, लेकिन ओवर लोड रेत से भरे इन डंपरों पर प्रशासनिक अफसरों के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है। हालांकि कभी कभार दिखावे के लिए रेत से भरे डंपरों की चैकिंग के नाम पर रोका जाता है। बगैर कार्रवाई के चलता कर दिया जाता है। वहीं खनिज अधिकारी भी कार्रवाई करने से परहेज़ करते हैं। जो समझ से परे है। अब तो ट्रालियों से रेत परिवहन कर की जा रही है। इतना ही नहीं रेत खनन को सरकार द्वारा ठेका कंपनी सहकार ग्लोबल को विभिन्न दस्तावेजों में में स्पष्ट कह दिया गया है कि लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत निकालना और उसे चिन्हित ट्रांजिट पास पर बेचना गैरकानूनी है इसके लिए बाकायदा गाइडलाइंस है जिसकी रेत खनन कंपनी और डेविड के गुर्गे जीवनदायिनी नदियों का अस्तित्व मिटाने पर आमादा है ऐसे कई नामजद उदाहरण है जहां रेत ही नहीं है लेकिन वैध ?रेत ठेकेदार अपना मुनाफा काटने के लिए आवंटित लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत खनन कर रहा है। इस तरह शहडोल जिले में रेत खनन और परिवहन के लिए संबंधित विभाग द्वारा सहकार ग्लोबल कंपनी को सड़को की दुर्गती, सोननदी एवं आसपास के इलाके के सहयोगी नदी नालों की दुर्गती करने की मानों खुली छूट देकर रखा गया जिससे जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।

अंजड नगर परिषद कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने पर हड़ताल पर जाने की ज्ञापन सौंप दी चेतावनी सीएमओ ने एक महीने का वेतन देने की कही बात

सिटी चीफ

बड़वानी, अंजड नगर पंचायत परिषद द्वारा दिसंबर व जनवरी माह में का वेतन आज 13 फरवरी तक भी कर्मचारियों को नहीं दिए जाने पर कर्मचारियों द्वारा मंगलवार दोपहर एकत्रित होकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश चौहान व नपाध्यक्ष मांगीलाल मुकाती को ज्ञापन सौंप कर बकाया वेतन शीघ्र दिए जाने की मांग की गई है, वहीं अपनी समस्याओं से जवाबदारों को अवगत करवाते हुए जल्द ही भगुतान नहीं होने पर 16 फरवरी से हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी गई है। वही मामले को लेकर अंजड नगर परिषद सीएमओ राकेश चौहान ने कहा कि शासन द्वारा चुंगी क्षतिपूर्ति राशि नहीं मिलने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है वहीं फिलहाल एक माह का वेतन एक दो दिन में कर्मचारियों को दिया जायेगा।

भरौली स्थित सीमेंट फैक्ट्री से ग्रामीणों को हो रही परेशानी

कन्वेयर बेल्ट की आवाज से ग्रामीण बहरेपन का हो रहे शिकार, पढ़ाई में व्यवधान

सिटी चीफ

मैहर। एमपी बिरला से लगी पंचायतों के निवासियों को न दवा, न डॉक्टर सिर्फ मिल रहा धुंआ और डस्ट जिससे अधिकांश ग्रामीण विभिन्न बिमारियों का शिकार बनते जा रहे है। ग्राम पंचायत भरौली में एक बड़े सीमेंट प्लांट से लगे कन्वेयर बेल्ट की आवाज लोगों को बहरा करने पर उतारू है। धुआं बड़ी समस्या का कारण बनता जा रहा है जिससे ग्राम पंचायत भरौली सहित इटहरा, भैंसासुर, खेरवा कलॉ, सढ़ेरा व इसके साथ लगती पंचायतों में प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों के द्वारा बताया जा रहा है कि जब से एमपी बिरला सीमेंट फैक्ट्री लगी है तब से इस क्षेत्र के लोग कई समस्याओं से जूझ रहे है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि सीमेंट प्लांट से निकलने वाला धुंआ और डस्ट से आस पास के गांव की फसले चौपट हो जाती है और लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार भी बनते जा रहे है। क्षेत्रीय ग्रामीणों के द्वारा बताया जा रहा है कि सीमेंट प्लांट से निकलने वाले डस्ट खेतों की फसलों के ऊपर जम जाती है

जिससे फसल खराब हो जाती है साथ ही धूल जमने जमीन बंजर होती जा रही है।

कन्वेयर बेल्ट से लोग हो रहे बहरे

इसी तरह बताया जा रहा है कि सीमेंट प्लांट से सढ़ेरा जाने वाली खदान तक लगी कन्वेयर बेल्ट से निकलने वाली दिन रात खड़-खड़ की आवाज से आस पास रहने वालें लोग बहरे और नींद पूरी न होने से मानसिक बीमारी का शिकार हो रहे है। कई बार कन्वेयर बेल्ट से पत्थरों के टुकड़ों के गिरने से राहगीर चोटिल हो जाते है।

स्कूली बच्चों पर बुरा असर

कन्वेयर बेल्ट के नीचे स्थित हरिजन बस्ती के पास बने शासकीय प्राथमिक शाला हरिजन बस्ती में पढ़ने बच्चों की अभी से श्रवण शक्ति कमजोर हो जाने के कारण बहनेपन का शिकार हो गए है। कन्वेयर बेल्ट से निकलने वाली आवाज के कारण पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसी तरह जो टीचर है ऊंचा सुनने की आदी हो गए है। फैक्ट्री के आस पास रहने वाले ग्रामीणजन बताते है कि कुंओं एवं हैण्डपंपों में दूषित पानी आ रहा है जिसको पीने से तरह तरह की बीमारी हो रही है। बच्चोंग्रामीणों के द्वारा बताया गया है कि इस क्षेत्र के लोग सीमेंट फैक्ट्री के कारण बीमार हो रहे है मगर सीमेंट फैक्ट्री के द्वारा एक भी अस्पताल नहीं बनवाया गया है जिससे लोगों को बीमारी से मुक्ति मिल सके और जो लोग बीमार हो जाते है अपने खर्चे से बाहर जाकर उपचार कराते है। ग्रामीणों ने बताया है कि एक एम्बुलेंस टाइप की एक गाड़ी आती है जिसमे कोई डॉक्टर नहीं रहता है कंपाउडर एक रहता है जो ग्रामीणों के द्वारा बीमारी बताएं जाने पर बिना जांच किए रंग बिरगी कुछ गोलियां दे जाती है। जब कि टीबी, श्वास एवं दमा के मरीज देखे जा रहे है।

सड़कों पर व्याप्त गड्ढों की समय से पहचान एवं त्वरित सुधार के लिये पॉटहोल रिपोर्टिंग सिटीजन मोबाइल एप की जा रही तैयार

लोक निर्माण से लोक कल्याण के प्रति संकल्पित मध्यप्रदेश-मंत्री श्री राकेश सिंह

सिटी चीफ

भोपाल, लोक निर्माण से लोक कल्याण के प्रति संकल्पित मध्यप्रदेश अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुएगा।लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहाँ कि सड़कों पर व्याप्त गड्ढों की समय से पहचान करने एवं त्वरित सुधार के लिये पॉटहोल रिपोर्टिंग सिटीजन मोबाइल एप तैयार की जा रही है। इस एप के माध्यम से आम नागरिक अपने मोबाईल से गड्ढों की जियोटेग्ड फोटो खीच कर विभाग को सूचित कर सकेंगे। गड्ढों का फोटो जी.पी.एस. लोकेशन के साथ संबंधित कार्यपालन यंत्री को प्राप्त होगा।

नियत समय सीमा में सुधार कर संबंधित यंत्री सुधार कार्य का फोटो पुनः मोबाईल एप से लेंगे।इस प्रकार प्रकरण समाप्त होगा और इसकी सूचना संबंधित नागरिक को भी मिलेगी।राज्य स्तर से शिकायतों की निगरानी एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

मंत्री श्री सिंह ने कहाँ कि विभागीय कार्यों में नई तकनीकी का अधिक से अधिक प्रयोग किया जायेगा। इसके अंतर्गत विभाग के लिये इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मेनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जा रहा है । इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मेनेजमेंट सिस्टम से समस्त अनुमतियां कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से जारी होने पर परियोजना प्रबंधन में पारदर्शिता आएगी। निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की (रियल टाईम) मॉनिटरिंग,जिओटैग्ड लोकेशन वर्तमान प्रगति की मॉनिटरिंग संभव होगी।इससे विभाग की प्रक्रिया सुलभ होगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए

सिटी चीफ

झाबुआ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर द्वारा मंगलवार को प्रात:11 बजे आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में आवेदिका कमला सिंगाड निवासी ग्राम पंचायत सनोड द्वारा बताया कि उनके ग्राम सनोड के पालिया फलिया एवं भाबरिया फलिया में उप आंगनवाड़ी केंद्र नहीं है जिसके कारण उप आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृति के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक लक्की पिता तिरु गिदवानी निवासी वार्ड क्रमांक 05 स्टेशन रोड मेघनगर ने बताया कि उसको 40 वर्षो से मेघनगर में रह रहा है तथा उसके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं है। जिसके कारण उसने रोजगार एवं रहने की व्यवस्था दिलाने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक अमित पिता जगदीशचंद्र पाटीदार निवासी ग्राम सारंगी तहसील पेटलावद द्वारा बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण तथा उसके पिताजी की कोरोना काल में मृत्य हो गई थी जिसकी वजह से उसकी दुकान आवंटित करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रार्थी

निलेश पिता रमण भाबोर निवासी ग्राम बठा तहसील थांदला द्वारा बताया कि उनका प्रधानमंत्री आवास योजना सूची में नाम दर्ज करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदिका काली पति जामसिंह चारेल निवासी ग्राम टिकड़ीमोती तहसील एवं जिला झाबुआ के द्वारा बताया कि उसकी उम्र 64 वर्ष पूर्ण हो चुके है तो उसको वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिलाने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक थावरिया पिता नाथीया बारिया निवासी ग्राम बीडमहुडीपाडा तहसील थांदला द्वारा बताया कि विपक्षी रमेश पिता नरसिंह बारिया ग्राम बीडमहुडीपाडा द्वारा शासकीय जमीन पर कचरा आदि सामग्री डालकर जबरन कब्ज़ा करने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक नरेंद्र सिंगाड़ निवासी किशनपुरी वार्ड क्र. 13 झाबुआ ने बताया की उनकी कॉलोनी में पेयजल की गंभीर समस्या है जिससे उन्होंने नल कनेक्शन हेतु पाईप लाइन बिछाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रकार जनसुनवाई में कुल 40 आवेदन आए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध शराब को जप्त करने मे रायपुरिया पुलिस को मिली बडी सफलता

सिटी चीफ

झाबुआ, पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री अगम जैन द्वारा सभी थाना प्रभारी को अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री अगम जैन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन, स्ड्हक्क श्री सौरभ तौमर के नेतृत्व में दिनांक 13.02.2024 को सउनि फौदलसिह भदौरिया को दौराने मुखबीर द्वारा सूचना मिलने पर तत्काल थाना प्रभारी श्री दिनेश रावत को सूचना से अवगत कराया गया थाना प्रभारी श्री दिनेश रावत के द्वारा टीम गठित कर एवं मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर मय फौर्स के पहुचा धान्यारूण्डी से मोटाकुआ डामर रोड पुलिया तरफ से एक स्वीफट डिजायर कार क्रं एमपी 09 सी.क्यु.2940 आते दिखी जिसे हमराह फौर्स की मदद से स्वीफट डिजायर कार क्रं एमपी 09 सी.क्यु.2940 को रोककर चालक का नाम पता पुछते अपना नाम बगदीराम पिता कोदा औसारी उम्र 40 साल निवासी हिरानिनामापाडा मोटाकुआ का होना बताया तथा स्वीफट डिजायर कार को चेक करते कार मे अंग्रेजी बीयर ब्लेक फोर्ट की 10 पेटीया भरी मिली । ड्रायवर बगदीराम पिता कोदा औसारी से शराब का लायसेंस व परमिट चेक

करने पर नही मिले। । उक्त स्वीफट डिजायर कार क्रं एमपी 09 सी.क्यु.2940 में भरी अंग्रेजी बीयर ब्लेक फोर्ट की 10 पेटीया पायी गई । कुल 120 वल्क लीटर शराब किमती 28800 लाख रूपये तथा स्वीफट डिजायर कार क्रं एमपी 09 सी.क्यु.2940 की किमत करीब 4 लाख रूपये की कुल जप्त शूदा मश्रुका मय कार के 428800 लाख रूपये की विधिवत जप्त कर आरोपी बगदीराम पिता कोदा औसारी उम्र 40 साल निवासी हिरानिनामापाडा मोटाकुआ के विरूद् अपराध अपराध अपराध क्रमांक 13/13.01.2024 धारा 34(2),36,अप.क्रं-54/2024 धारा 34(2)36 आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया है। एक साथी आरोपी दिनेश कटारा निवासी उण्डवा पेटलावद का मौके से फरार है.

सराहनीय कार्य मे ड्डनिरीक्षक दिनेश रावत सउनि फौदलसिह भदौरिया सउनि रामचन्द बारोड प्रआर 298 चन्द्रप्रकाश आर 106 जितेन्द्र की विशेष भुमिका रही।

ऑस्ट्रेलिया में पंजाब के किसान का दबदबा

अकेले भेज दिया 38 लाख रुपए का मोटा अनाज

इंटरनेशनल डेस्क: कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने पंजाब के एक किसान को 14.3 टन मोटा अनाज और उससे निर्मित उत्पादों को ऑस्ट्रेलिया में निर्यात करने की सुविधा दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 45,803 अमेरिकी डॉलर मूल्य के इस निर्यात में कोदो, जौ, बाजरा और सांवा जैसे मोटे अनाज शामिल हैं। बयान के मुताबिक, संगरूर के किसान दिलप्रीत सिंह ने 14.3 टन मोटे अनाजों की अपनी पहली निर्यात खेप भेजी है जिसके उत्पादों का मूल्य 45,803 अमेरिकी डॉलर है। मंत्रालय ने कहा कि भारत से मोटे अनाजों का निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 4.54 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 7.54 करोड़ डॉलर था। एपीडा का संचालन वाणिज्य मंत्रालय के तहत किया जाता है। यह कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है

शंभू बॉर्डर पर पुलिस के साथ झड़प में घायल हुए किसान

राहुल गांधी ने की उनसे फोन पर बात, किया आंदोलन का समर्थन

नेशनल डेस्क: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसानों के दिल्ली चलो मार्च के दौरान कथित तौर पर पुलिस कार्रवाई में घायल हुए एक किसान से बुधवार को फोन पर बात की और इस आंदोलन के प्रति अपना समर्थन जताया। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह राजा वडिंग ने फोन पर राहुल गांधी की बात घायल किसान गुरमीत सिंह से करवाई। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर इस बातचीत का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने कहा, किसान आंदोलन में पुलिस प्रताड़ना से गंभीर रूप से घायल हुए पूर्व सैनिक गुरमीत सिंह जी से फोन पर बात हुई। उनके स्वास्थ्य के बारे में जाना और हक़ की मांगों को ले कर एक शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए उनके प्रति अपना समर्थन जताया। राहुल गांधी ने कहा, वह जवान भी थे, और किसान भी हैं - उनकी जय करने की जगह, देश के रक्षक और अन्नदाता से मोदी सरकार का यह तानाशाही रवैया, लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। किसानों के दिल्ली चलो मार्च के तहत राष्ट्रीय राजधानी की तरफ बढ़ रहे किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर आंसू गैस के गोले छोड़े। किसान संगठनों का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई में कई किसानों को चोटें आई हैं। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने कहा था कि, बीजेपी सरकार ने एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की लेकिन वे एमएस स्वामीनाथन की कही बात को लागू करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि किसानों को वाकई एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन बीजेपी सरकार ऐसा नहीं कर रही है, जब भारत सरकार सत्ता में आएगी, तो हम भारत के किसानों को एमएसपी की गारंटी देने वाला (कानून) देंगे। स्वामीनाथन रिपोर्ट में जो उल्लेख किया गया है, हम उसे पूरा करेंगे।

पाकिस्तान की राजनीति में बड़ा उल्टफेर : नवाज-बिलावल नहीं, इस नेता के हाथ लगी पाकिस्तानी पीएम की कुर्सी!

लाहौर: पाकिस्तान में हुआ आम चुनाव की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों के बीच नए पीएम का चुनाव कर लिया गया है। इस चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में मुल्क में पीएमएल-एन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनेगी। लेकिन, खास बात यह है कि पीएमएल-एन के शीर्ष नेता नवाज शरीफ और दूसरे सबसे अहम दल पीपीपी के प्रमुख बिलावल भुट्टो को यह ताज नहीं मिल रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ को उनकी पार्टी ने मंगलवार रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है। पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने 'एक्स पर कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ (74) ने अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को प्रधानमंत्री पद के लिए और बेटी मरियम नवाज (50) को पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। उन्होंने कहा, ''नवाज शरीफ ने पीएमएल-एन को (आगामी सरकार बनाने में) समर्थन देने वाले राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है और उम्मीद जताई है कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को छोड़कर प्रमुख पार्टियों ने घोषणा की है कि वे पीएमएल-एन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश करेंगे।

दिल्ली से रवाना हुईं सोनिया गांधी, राज्यसभा के लिए आज भरेंगी नामांकन

नेशनल डेस्क: कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी राज्यसभा चुनाव में राजस्थान से पार्टी की उम्मीदवार होंगी और वह आज यानी बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी बुधवार को जयपुर में नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रह सकते हैं। कांग्रेस राज्यसभा चुनाव के लिए बहुत जल्द अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तिथि 15 फरवरी है। सोनिया गांधी 1999 से लगातार लोकसभा सदस्य हैं और वर्तमान में उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। वह अमेठी से भी लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। यह पहली बार होगा कि वह संसद के उच्च सदन में जाएंगी। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद राज्यसभा में प्रवेश करने वाली गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी। इंदिरा गांधी अगस्त, 1964 से फरवरी 1967 तक उच्च सदन की सदस्य थीं। राज्यसभा जाने की स्थिति में इस बात की प्रबल संभावना है कि सोनिया गांधी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ें। पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए औपचारिक रूप से किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। सोनिया गांधी ने 2019 में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी लोकसभा चुनाव होगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि सोनिया गांधी के इस बार चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकती हैं। कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा की सीट जीतने की स्थिति में है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का राजस्थान से राज्यसभा का कार्यकाल इस साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव का कार्यकाल भी अप्रैल में पूरा हो रहा है। हाल में उच्च सदन से इस्तीफा देने वाले किरोड़ी लाल मीणा का कार्यकाल भी अप्रैल में समाप्त होगा। भाजपा ने पहले ही राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से मदन राठौड़ और चुन्नीलाल गरासिया को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी नेतृत्व से राज्य से राज्यसभा सीट के लिए सोनिया गांधी को नामित करने का आग्रह किया था। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की शुरुआत आठ फरवरी से हो चुकी है। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी, जबकि उम्मीदवार 20 फरवरी तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 27 फरवरी को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी।

सिंघु बॉर्डर पर 7 लेयर की बैरिकेडिंग

दिल्ली की सभी सीमाओं पर धारा 144 लागू

नेशनल डेस्क: हरियाणा सरकार ने किसानों के दिल्ली चलो विरोध मार्च के मद्देनजर सात जिलों- अंबाला, कुरूक्षेत्र, कैथल, जिंद, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं पर प्रतिबंध दो दिन बढ़ाकर 15 फरवरी तक कर दिया है। शंभू और खनौरी सीमाओं पर पुलिस के साथ झड़प के दौरान कई किसानों के घायल होने की रिपोर्ट के बाद पंजाब सरकार ने हरियाणा सीमा के पास के अस्पतालों में अलर्ट जारी कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने पड़ोसी राज्यों-हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगी सभी सीमाओं पर भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पंजाब किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पंढेर ने कहा, मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि एमएसपी की गारंटी वाला कानून इतनी जल्दी नहीं बन सकता...हम सिर्फ इतना कह रहे हैं कि हमें उस (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी दी जाए ताकि हम उस एमएसपी से नीचे फसल नहीं बेचते हैं। इसलिए, किसी समिति का कोई सवाल ही नहीं है... हम चाहेंगे कि प्रधानमंत्री आगे बढ़ें और किसानों से बात करें किसानों के दिल्ली चलो मार्च से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बड़े पैमाने पर जनता के मुक्त प्रवेश के अधिकार को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। यह विवादित नहीं है कि बड़े पैमाने पर जनता के मुक्त आवागमन के अधिकार को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ संतुलित किया जाना है और उनमें से किसी को भी अलग-थलग नहीं किया जा सकता है ताकि आम जनता को परेशानी न हो।

भारत और चीन की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में यूरोपीय संघ

युद्ध में रूस का सपोर्ट करने के लगाए आरोप

इंटरनेशनल डेस्क: यूरोपीय संघ (श्र) यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन करने के आरोप में भारत की एक और चीन की तीन कंपनियों समेत करीब दो दर्जन कंपनियों पर बैन लगाया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, सूचीबद्ध कंपनियाँ, जो मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में शामिल हैं, पर रूस की सैन्य और तकनीकी क्षमताओं में योगदान देने का आरोप है। दस्तावेज़ में रूस के रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में उनकी कथित भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ द्वारा मुख्य भूमि की चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का पहला मामला है। प्रस्तावित मसौदा सूची में हांगकांग, सर्बिया और तुर्की के व्यवसाय शामिल हैं। प्रस्तावित प्रतिबंधों का उद्देश्य यूरोपीय कंपनियों को सूचीबद्ध कंपनियों के साथ व्यापार में शामिल होने से रोकना है, जो तीसरे देश की संस्थाओं के माध्यम से स्वीकृत वस्तुओं तक रूस की पहुंच को रोकने के लिए यूरोपीय संघ की रणनीति के अनुरूप है। चीनी कंपनियों को सूचीबद्ध करने के पहले के प्रयास कुछ सदस्य देशों के विरोध और बीजिंग के आश्वासन के कारण छोड़ दिए गए थे। यूरोपीय संघ के लिए यह मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से एक प्रमुख व्यापार भागीदार चीन के साथ उसके संबंधों को लेकर। रिपोर्ट में कहा गया है कि जर्मनी, विशेष रूप से वोक्सवैगन एजी जैसे कार निर्माताओं के लिए सबसे बड़े बाजार के रूप में चीन पर निर्भर है, विकास पर बारीकी से नजर रख रहा है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के लिए सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मत मंजूरी की आवश्यकता होती है और अपनाने से पहले इसमें बदलाव हो सकते हैं यूरोपीय संघ आयोग के प्रवक्ता ने प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि ब्रुसेल्स में चीन के दूतावास से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अप्रैल में बीजिंग की यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल होने के प्रति आगाह किया था। उन्होंने रूस को सैन्य उपकरण उपलब्ध नहीं कराने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा और यूरोपीय संघ-चीन संबंधों में तनाव पैदा करेगा। प्रस्तावित सूची में तीन चीनी कंपनियां और भारत, श्रीलंका, सर्बिया, कजाकिस्तान, थाईलैंड, तुर्की और हांगकांग की एक-एक कंपनी शामिल हैं। दस्तावेज़ स्पष्ट करता है कि समावेशन कार्यों के लिए संबंधित न्यायक्षेत्रों को ज़िम्मेदारी नहीं देता है। यूरोपीय संघ ने पहले 620 से अधिक कंपनियों को सूचीबद्ध किया है। इन कंपनियों पर प्रतिबंधित प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात करने और बाद में उन्हें रूस को फिर से निर्यात करने का आरोप है। व्यापार प्रतिबंधों के अलावा, यूरोपीय संघ ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के दो साल पूरे होने पर एक व्यापक पैकेज के हिस्से के रूप में 110 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है।

शेयर बाजार- सेंसेक्स 600 अंक टूटा, निफ्टी 21,550 से नीचे,आईटी शेयरों में गिरावट

नेशनल डेस्क: वैश्विक बाजार में बुधवार की बिकवाली के दौरान इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने तेज गिरावट दर्ज की, जिससे फेड रेट में कटौती की उम्मीद 2024 की दूसरी छमाही में वापस आ गई। बीएसई सेंसेक्स 600 अंक गिरकर 70,899 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 50 150 अंक फिसलकर 21,594 पर आ गया। विप्रो, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएलटेक, टेक एम और टाइटन ने सेंसेक्स पर सबसे अधिक गिरावट दर्ज की, जबकि आयशर निफ्टी में अतिरिक्त नुकसान में रहा। दूसरी ओर, रिलायंस, बीपीसीएल, अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी पोर्ट्स ने फ्रंटलाइन सूचकांकों पर बढ़त हासिल की। बाद वाले दो बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 0.7-1 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी आईटी की अगुवाई में सभी सूचकांकों में गिरावट रही, जिसमें 1.7 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी पीएसबी सूचकांक 1 फीसदी नीचे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569